● वर्ष-3
● अंक-213
रायपुर, बुधवार
17 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› अच्छी नींद के लिए सोने से पहले ....

मुठभेड़, 29 नक्सली ढेर, 3 जवान भी घायल

कांकेर/रायपुर। कांकेर जिले में मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान कम से कम 29 माओवादी मारे गए और कम से कम तीन जवान घायल हो गए। यह घटना 2024 के लोकसभा चुनाव शुरू होने से कुछ दिन पहले की है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आईके एलेसेला ने कहा कि इलाके में मुठभेड़ अभी भी जारी है। कांकेर में 26 अप्रैल को मतदान होना है। एसपी इंद्र कल्याण एलिसेला ने मुठभेड़ में नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है, जिसमें शंकर राव नामक प्रमुख नक्सली कमांडर भी शामिल है। उसके सिर पर 25 लाख रुपये का इनाम था। इसके अतिरिक्त, ऑपरेशन के दौरान चार एके-47 राइफलों सहित हथियारों का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया गया है...मैं सुरक्षा बलों के जवानों को बधाई देना चाहता हूं...हम सभी सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हमें मार्गदर्शन दे रहे हैं। जो भी जरूरी होगा वो किया जाएगा। कोई ढिलाई नहीं होगी। आने वाले समय में नक्सल मुक्त बस्तर के लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे...सरकार बातचीत के लिए तैयार है। बातचीत और चर्चा से समाधान निकलना चाहिए और बस्तर में शांति होनी चाहिए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि छोटेबेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीनागुंडा और कोरोनार गांवों के बीच हापाटोला जंगल में दोपहर करीब 2 बजे गोलीबारी हुई, जब सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राज्य के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर थी। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने कहा कि कांकेर के छोटेबेठिया में मुठभेड़ स्थल से 18 नक्सलियों के शव बरामद हुए। ऑपरेशन में 3 जवान घायल हो गए। सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसे इलाके के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियानों में से एक के रूप में देखा जा सकता है। वरिष्ठ नक्सली शंकर, ललिता, राजू की मौजूदगी की सूचना के बाद ऑपरेशन चलाया गया।

चार महीनों में 50 से अधिक नक्सली मारे गये- राज्य में भाजपा सरकार आने के बाद नक्सल मोर्चे पर सरकार आक्रामक है। विजय शर्मा के हाथों में गृह मंत्रालय की कमान मिलने के बाद इस संबंध में रणनीतिक बैठकें हुईं। जहां आपरेशन हुआ, वो माड़ का इलाका है जो नक्सलियों का गढ़ माना जाता है। इनपुट के आधार पर डीआरजी, सीआरपीएफ, सीएफ की संयुक्त टीम निकली और एक बजे के आसपास नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। चार महीनों में पुलिस जवानों ने 50 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया था और आज के आपरेशन के बाद इसकी संख्या 80 तक पहुंच गई है। इस घटना के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से बात कर घटना की जानकारी ली है। सीएम विष्णुदेव साय ने हाई लेवल मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में मुख्यमंत्री के साथ पुलिस के आला अधिकारी मौजूद हैं।

जल्द ही देश नक्सलवाद से मुक्त होगाः शाह

छत्तीसगढ़ के कांकेर के छोटेबेठिया इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया है. सुरक्षाबलों की इस कामयाबी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जाहिर की है. साथ ही शाह ने सुरक्षा बलों के कार्यों की सराहना की. इसे लेकर अमित शाह ने कहा कि जल्द ही देश नक्सलवाद से मुक्त होगा. अमित शाह ने जाहिर की प्रतिक्रियाः दरअसल, मंगलवार दोपहर को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को मिली सफलता को लेकर अमित शाह ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की. शाह ने लिखा, आज छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के ऑपरेशन में बड़ी संख्या में नक्सली मारे गये हैं. इस ऑपरेशन को अपनी जांबाजी से सफल बनाने वाले सभी सुरक्षाकर्मियों को बधाई देता हूं. जो वीर पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. नक्सलवाद विकास, शांति और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम देश को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित हैं. सरकार की ऑफ़ेंसिव नीति और सुरक्षा बलों के प्रयासों के कारण आज नक्सलवाद सिमट कर एक छोटे से क्षेत्र में रह गया है. जल्द ही छत्तीसगढ़ और पूरा देश पूर्णतः नक्सल मुक्त होगा.

कांकेर मुठभेड़ में घायल जवान खतरे से बाहरः शर्मा

डिप्टी सीएम व गृह मंत्री विजय शर्मा ने अस्पताल पहुंचकर कांकेर मुठभेड़ में घायल जवानों का हालचाल जाना. घायल जवानों के खतरे से बाहर बताया जा रहा है. इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा, खून बहाने से समस्या का समाधान नहीं होगा. आज भी हम बात करने के लिए तैयार हैं. नक्सली जितने लोग भी आए हम बात करने के लिए तैयार हैं. जिस माध्यम से बात करना चाहते हैं हम करेंगे. डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा, बगैर रणनीति के इतनी बड़ी सफलता नहीं मिलती. अब रणनीति को उजागर नहीं किया जा सकता है. सालों बाद इतनी बड़ी सफलता मिली है. 29 नक्सलियों को जवानों ने ढेर किया है. दो जवानों को हॉस्पिटल लाया गया है, जहां इलाज जारी है. दोनों जवान के पैर में गोली लगी है. डॉक्टरों से हाल चाल जाना तो डॉक्टरों ने ख़तरे से बाहर बताया है. डिप्टी ष्टरू विजय शर्मा ने कहा, 2010 अप्रैल का महीना था और 76 जवान शहीद हुए थे.

रायगढ़ में मुख्यमंत्री ने भरी हुंकार, कहा - फिर इस बार मोदी सरकार

रायपुर/रायगढ़। लोकसभा में अपनी हार निश्चित देखकर प्रदेश के कांग्रेसी बौखला गए हैं। कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के खिलाफ लगातार अमर्यादित बयान दे रहे हैं। कोई लाठी से सर फोड़ने की बात कह रहा तो कोई डिफाल्टर बोल रहा है। कांग्रेसियों की मोदी जी पर की गई अशोभनीय टिप्पणी बहुत ही शर्मनाक है। इसका करारा जवाब देना है, कांग्रेस को सबक सिखाना है।

रायगढ़ में आयोजित विशाल नामांकन रैली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कांग्रेस सरकार में 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। कांग्रेस ने शराब, कोयला, रेत, सरकारी जमीन, डीएमएफ की राशि सब में घोटाला किया। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। जो छत्तीसगढ़ के लिए शर्म की बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। कांग्रेस को फिर से सबक सिखाना है, खाता खोलने भी नहीं देना है।

श्री साय ने कहा कि ये चुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है, ये बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। ये चुनाव देश के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया, भारत का डंका बजाया। उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के सुशासन की सरकार में जनहित का सब काम सांय-सांय हो रहा है। आज 4 महीने उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी में जो बचे हुए वादे हैं उसको भी विष्णु सरकार 5 साल में सांय-सांय पूरा करेगी। साय ने भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र के बारे में कहा कि हमने देशवासियों के हित के लिए संकल्प पत्र जारी किया है। जिसे मोदी की गारंटी भी कहते हैं। मोदी सरकार में पिछले 10 वर्षों में 4 करोड़ पीएम आवास बने, अगले पांच साल में 3 करोड़ नए पीएम आवास बनाना है। अब 70 साल तक के बुजुर्गों का भी मुफ्त में आयुष्मान भारत योजना में इलाज होगा। मुद्रा योजना के तहत बेटे-बेटियों को 10 लाख की जगह 20 लाख तक का लोन मिलेगा।

विष्णु बने राधेश्याम के प्रस्तावक

रणदीप पर चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन

प्रचार पर लगा 48 घंटे का बैन हेमा मालिनी पर दिया था बयान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला को 48 घंटे के लिए प्रचार करने से रोक दिया। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। चुनाव आयोग का यह फैसला मथुरा से भाजपा सांसद के खिलाफ सांसद की टिप्पणी पर सुरजेवाला और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद आया है। भाजपा द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में सुरजेवाला को यह कहते हुए सुना गया, लोग अपने विधायकों/सांसदों को क्यों चुनते हैं? ताकि वे (विधायक/सांसद) जनता की आवाज उठा सकें। यह हेमा मालिनी की तरह नहीं है, जिन्हें चाटने के लिए चुना गया था। सुरजेवाला उस समय भाजपा के निशाने पर आ गए जब पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक अदिनांकित वीडियो साझा किया जिसमें कांग्रेस सांसद को हेमा मालिनी के बारे में कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए सुना गया। बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आपने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला का वो बयान भी सुना होगा, जिसमें वो हमारी पार्टी की वरिष्ठ सांसद हेमा मालिनी जी के लिए इस प्रकार के आपत्तिजनक, अशोभनीय और अभद्र शब्द का प्रयोग कर रहे हैं।

प्रमुख समाचार

सौम्या को फिर लगा बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

रायपुर। कोल स्कैम मामले में 16 महीनों से जेल में बंद पूर्व सीएम भूपेश बघेल की उपसचिव सौम्या चौरसिया को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। रायपुर के पीएमएलए कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। 12 अप्रैल को राज्य सेवा अधिकारी सौम्या चौरसिया की सेकंड बेल एप्लीकेशन पर सुनवाई हुई थी। इस दौरान उनके वकील ने बच्चों की परवरिश का हवाला देते हुए बेल की मांग की थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। वहीं आज उनकी याचिका खारिज कर दी गई है। बता दें कि सौम्या चौरसिया की गिनती पिछली कांग्रेस सरकार के समय ताकतवर और प्रभावशाली अफसरों में होती थी। उन्हें पूर्व सीएम भूपेश बघेल के सबसे करीबी अफसर में माना जाता था। कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने 2 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वे सेंट्रल जेल रायपुर में बंद हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से भी उनकी जमानत याचिका खारिज हुई है।

सलमान से मिलने पहुंचे एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बांद्रा के गैलेक्सी अपार्टमेंट में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ मुलाकात की है। इस मौके पर सलमान खान के पिता वरिष्ठ पटकथा लेखक सलीम खान भी मौजूद थे। ख्यमंत्री ने सलमान और उनके परिवार को सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सलमान के घर के बाहर गोलीबारी की घटना के दो दिन बाद मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद मुख्यमंत्री शिंदे ने खान परिवार से मुलाकात की और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी, विधायक जीशान सिद्दीकी और युवा सेना के राहुल कनाल भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान शिंदे ने अभिनेता को कड़ी सुरक्षा और निगरानी का आश्वासन दिया और कहा कि पुलिस गोलीबारी मामले में कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि मैंने सलमान से कहा है कि चिंता न करें, सरकार उनके पीछे है। मैंने पुलिस आयुक्त से सलमान खान और उनके रिश्तेदारों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा है।

बाबा रामदेव सार्वजनिक माफी मांगने के लिए तैयार

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद के मुखिया और योग गुरु बाबा रामदेव ने सार्वजनिक माफी मांगने का प्रस्ताव दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान बाबा रामदेव के वकीलों ने यह प्रस्ताव रखा। इसके बाद अदालत ने उन्हें एक सप्ताह का मौका दिया है और अब अगली सुनवाई 23 अप्रैल को तय की है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान बाबा रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि हम सार्वजनिक माफी मांगने के लिए तैयार हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हम दुख व्यक्त करना चाहते हैं कि जो हुआ, वह गलत था। उन्होंने कहा कि हमने दावा किया था कि हमारे पास कोरोना से निपटने की एक वैकल्पिक दवा भी है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच में शामिल जस्टिस हिमा कोहली ने हिंदी में ही बाबा रामदेव से पूछा, आपने जो किया है, कोर्ट के विरुद्ध किया है। क्या वह सही है? इसके जवाब में रामदेव ने कहा, जज साहिबा, मैं इतना कहना चाहता हूं कि जो भी हमसे भूल हुई है, उसके लिए हम बिना शर्त माफी मांगते हैं। इस पर जस्टिस हिमा कोहली ने कहा कि हम आपके रवैये की बात कर रहे हैं।

छग के 4 प्रतिभागियों को यूपीएससी में मिली सफलता

रायपुर। यूपीएससी मेन्स-2023 का परिणाम जारी हो चुका है. परीक्षा में इस बार छत्तीसगढ़ के चार प्रतिभागियों ने स्थान बनाने में कामयाबी हासिल की है. इनमें से अनुषा पिल्लै, अभिषेक डांगे, प्रीतेश सिंह राजपूत और रश्मि पैकरा शामिल हैं. परीक्षा में 202 रैंक हासिल करने वाली अनुषा पिल्लै आईएएस रेणु पिल्लै और सेवानिवृत्त आईपीएस संजय पिल्लै की बेटी हैं. अनुषा के पहले पिल्लै दंपती के बेटे अक्षय पिल्लै ने 2021 यूपीएससी 51 रैंक हासिल किया था. वर्तमान में अक्षय पिल्लै उड़ीसा कैडर के आईएएस अफसर हैं. यूपीएससी मेन्स-2023 में चयनित छत्तीसगढ़ के अन्य प्रतिभागियों में से प्रीतेश सिंह राजपूत ने 697 रैंक हासिल किया है. लोरमी के रहने वाले प्रीतेश वर्तमान में डिप्टी कलेक्टर के तौर पर पदस्थ हैं. वहीं एनआईटी पास आउट अभिषेक डेंगे रायपुर के हैं, और रश्मि पैकरा बलरामपुर की रहने वाली हैं.

(विस्तृत समाचार पेज-3 व 8 पर)

आज रामललाल का सूर्य तिलक

अयोध्या। बुधवार को रामनवमी है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार रामनवमी मनाई जा रही है। इसका विशेष आकर्षण सूर्य तिलक होगा। रामलला के सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक की तैयारी पूरी कर ली गई है। जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर मंगलवार को वैज्ञानिकों ने एक बार फिर सूर्य तिलक का सफल ट्रायल किया। कई बार के ट्रायल के बाद जो समय निश्चित किया गया है वह दोपहर 12.16 बजे का है। मंदिर व्यवस्था से जुड़े लोग इसे विज्ञान और अध्यात्म का समन्वय मानते हैं। वैज्ञानिकों ने बीते 20 वर्षों में अयोध्या के आकाश में सूर्य की गति अध्ययन किया है। सटीक दिशा आदि का निर्धारण करके मंदिर के ऊपरी तल पर रिफ्लेक्टर और लेंस स्थापित किया है। सूर्य रश्मियों को घुमा फिराकर रामलला के ललाट तक पहुंचाया जाएगा। सूर्य की किरणें ऊपरी तल के लेंस पर पड़ेंगी। उसके बाद तीन लेंस से होती हुई दूसरे तल के मिरर पर आएंगी। अंत में सूर्य की किरणें रामलला के ललाट पर 75 मिलीमीटर के टीके के रूप में दैदीप्तिमान होंगी। लगभग चार मिनट तक टिकी रहेंगी। यह समय भी सूर्य की गति और दिशा पर निर्भर है। दोपहर 12 बजे जब रामलला का जन्मोत्सव मनाया जाएगा.

कांग्रेस कमजोर, लेकिन इंडी एलायंस ने हिम्मत नहीं हारी

गतांक से आगे

हालांकि कांग्रेस पिछली बार एक और एनसीपी चार सीटें जीती थीं, एक निर्दलीय जीता था। बाकी सारी 42 सीटें एनडीए जीता था, जिसमें से भाजपा 24 और शिवसेना 18 सीटें जीती थीं। शिवसेना और एनसीपी का तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा टूट कर एनडीए में आ चुका है। बची खुची 25 फीसदी शिवसेना, 25 फीसदी एनसीपी और बेहद कमजोर बची खुची महाराष्ट्र की कांग्रेस के भरोसे इंडी एलायंस कैसे एनडीए को मात दे देगा, यह समझ से बाहर है। तमिलनाडु और केरल का आकलन फिर भी सही हो सकता है। लेकिन महाराष्ट्र के आकलन पर कोई सहमत नहीं हो सकता।

इसके बाद कर्नाटक आता है, जहां भाजपा पिछली बार 28 में से 25 सीटें जीती थी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मुस्लिम दलित का गठबंधन बना था। उसके चलते वहां कम से कम आधी सीटों पर कांटेदार टक्कर की संभावना बनती है। लेकिन विधानसभा चुनावों की लोकसभा चुनावों से कभी तुलना नहीं की जा सकती। विधानसभा चुनावों के नतीजों की नजर से कांग्रेस यह मान कर चल रही है कि वह 28 में से 15 सीटें निकाल लेगी। जो वास्तविकता से काफी दूर लगता है, वह पिछली बार सिर्फ एक सीट जीती थी, इस बार उसकी अपनी सरकार के चलते और मुस्लिम दलित गठबंधन के चलते वह अपनी सीटों में बढ़ोतरी जरुर कर सकती है, लेकिन इतनी भी नहीं जितनी खाम ख्याली है। इसके बाद आता है बिहार और यूपी। इन दोनों ही राज्यों में इंडी एलायंस के आकलन का आंकड़ा चौंकाने वाला है। अगर इंडी एलायंस अपने आकलन का आधा भी जमीन पर उतार पाया, यानी इन दोनों राज्यों में जितनी सीटें वे सोच कर चल रहे हैं, उनमें से आधी भी जीत जाएं, तो मोदी को बहुमत के लाले पड़ जाएंगे।

बिहार और यूपी दोनों ही राज्यों में इंडी एलायंस का आंकड़ा 27-27 सीटें जीतने का है। बिहार में लगभग वही गठबंधन है, जो पिछली बार था, पिछली बार एनडीए 40 में से 39 सीटें जीता था। कांग्रेस एक और आरजेडी एक भी सीट नहीं जीती थी। बिहार में अभी हर रोज दलबदल हो रहा है, उम्मीदवार भी बदले जा रहे हैं, इसलिए जातीय समीकरणों को देखते हुए लड़ाई तो कांटेदार हो सकती है, लेकिन जातीय समीकरणों में एनडीए मजबूत स्थिति में है। 2019 में उत्तर प्रदेश में सपा बसपा गठबंधन 80 में से 15 सीटें जीता था और कांग्रेस एक सीट जीती थी। इस बार सपा कांग्रेस का गठबंधन है, बसपा गठबंधन में शामिल नहीं है। इसलिए यूपी में तो इंडी एलायंस की सीटें बढ़ने की बजाए घटनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेस से ज्यादा तो बसपा मजबूत थी, फिर भी गठबंधन सिर्फ 15 सीटें जीता था। पंजाब और बंगाल में इंडी एलायंस के घटक दल मिलकर चुनाव नहीं लड़ रहे, लेकिन इंडी एलायंस को पंजाब में 13 में से 12 सीटें जीतने का अनुमान है। इनमें से कुछ सीटें आम आदमी पार्टी और कुछ कांग्रेस की मान रहे हैं। केजरीवाल पहले से मान कर चल रहे थे कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के मुकाबले में भाजपा और अकाली दल तीसरे और चौथे नंबर पर चले जाएंगे। लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पंजाब और दिल्ली की राजनीति में बहुत बड़ा बदलाव आएगा।

बंगाल का इंडी एलायंस का आकलन हकीकत के ज्यादा करीब लगता है, लेकिन इस आकलन में ममता से नफरत की गंध आती है, क्योंकि आकलनकर्ता यह मानकर चल रहे हैं कि वहां भाजपा जीत रही है। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और कम्युनिस्ट अलग अलग चुनाव लड़ रहे हैं, और तीनों छह से ज्यादा सीटें नहीं जीत सकते। कांग्रेस को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से बहुत बड़ी उम्मीद है, हालांकि आंध्र प्रदेश में टीडीपी और भाजपा में सीट शेयरिंग के बाद वहां वाईएसआर कांग्रेस और एनडीए मुख्य मुकाबले में है, लेकिन कांग्रेस आंध्र प्रदेश की 20 और तेलंगाना की 12 सीटें अपने पाले में मान कर चल रही है। इंडी एलायंस मानकर चलता है कि क्योंकि टीडीपी एनडीए में शामिल हो गई है, इसलिए वाईएसआर कांग्रेस चुनाव बाद उनके साथ आ जाएगी। इंडी एलायंस इन दोनों ही राज्यों की 42 में सीटों में से 32 अपने खाते में जोड़कर चल रही है। इंडी एलायंस ने जो अनुमान लगाया है, उसके मुताबिक़ वह 248 सीटें जीत सकता है।

मतदाताओं को जागरुक करने डीएम-कलेक्टर निकले

■ बालोद में कमरा और खुमरी पहन बैलगाड़ी की सवारी

बालोद। बालोद जिले में मतदाताओं को जागरुक करने जिला कलेक्टर सीईओ सहित सभी अधिकारियों का अलग अंदाज देखने को मिला। दरअसल मतदाता ज्यादा से ज्यादा लोकसभा चुनाव में भागीदार बने इसके लिए कलेक्टर और सीईओ ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक परिधान कमरा और खुमरी पहन लोगों के बीच शामिल हुए। इस दौरान छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया का नारा भी लगा।

डीएम सहित 51 लोगों ने की बैलगाड़ी की सवारी

गुरूर विकासखण्ड के ग्राम बोहारा में छत्तीसगढ़ी एवं ग्रामीण संस्कृति से साराबोर बेहतरीन एवं नैनाभिराम मतदाता जारूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे सहित अन्य अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक परिधान कमरा और खुमरी को पहनकर ग्राम सनौद से ग्राम बोहारा में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे।

बैलगाड़ी में सवार होकर ग्रामीण तथा छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति को जीवंत करते हुए कार्यक्रम में अपनी अमूल्य सहभागिता सुनिश्चित की। पूरे आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं मतदाता जागरूकता पर आधारित सुमधुर एवं नैनाभिराम स्वीप सुआ नृत्य एवं गीत-संगीत तथा नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति संपूर्ण आयोजन छत्तीसगढ़िया एवं ग्रामीण संस्कृति से सराबोर हो गया।

ग्राम बोहारा में नदी के किनारे विशाल बरगद पेड़ के नीचे छांव में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़िया संस्कृति की प्रत्यक्ष झलक दिखलाई दे रही थी। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत सहित उपस्थित अन्य लोगों ने 51 बैलगाड़ी में सवार होकर ग्राम सनौद से बोहारा में आयोजित कार्यक्रम स्थल तक सफर किया। जो खासा आकर्षण का केन्द्र रहा।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहते हुए छत्तीसगढ़ी संस्कृति को अत्यंत वैभवशाली एवं अग्रणी बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति यहां के लोगों का आचार-व्यवहार, खान-पान, रहन-सहन अपने आप में विशिष्ट है। कलेक्टर ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में जिले के मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जिले के अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग तरीकों से छत्तीसगढ़ की संस्कृति को रेखांकित एवं प्रदर्शित करते हुए लगातार मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

प्रत्येक मत का विशेष महत्व

इस जागरूकता कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डां. संजय कन्नौजे ने कहा कि आप सभी ने इस आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी एवं ग्रामीण संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा आगामी लोकसभा निर्वाचन के दौरान जिले में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने जिले के अलग-अलग स्थानों में अलग-अलग थीम पर मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसलिए आप सभी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतदान तिथि 26 अप्रैल को मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

गीत संगीत और बहुत कुछ

इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा कार्यक्रम स्थल में बुजुर्ग एवं नए मतदाताओं को पौधा भेंटकर सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम स्थल में स्थापित सेल्फी पांइट में पहुंचकर कलेक्टर एवं अधिकारियों ने सेल्फी भी ली। कार्यक्रम में नन्हें-मुन्हें स्कूली बच्चों एवं महिला कलाकारों के सुमधुर गीत-संगीत प्रस्तुति से कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोग भाव-विभोर हो गए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कलाकारों की इस उत्कृष्ट प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया।

खनन माफिया को खनिज विभाग का नहीं है खौफ, सील तोड़कर वापस शुरु किया काम

कार्रवाई के दौरान निरीक्षक को कुचलने की हुई थी कोशिश

बालोद। बालोद जिले के गुरुर ब्लॉक के बहुचर्चित पोड़ रेत खदान पर खनिज विभाग ने कार्रवाई की थी।इस कार्रवाई में 1 चैन माउंटेन और 4 हाइवा जब्त किया गया था। लेकिन कार्रवाई के अगले ही दिन सील की गई मशीन का ताला तोड़कर वापस से रेत खनन शुरु कर दिया गया।जिसकी शिकायत बीजेपी नेताओं ने कलेक्टर से की है।

आपको बता दें कि कांग्रेस के शासन में भी रेत खदान में अवैध खनन की शिकायत मिली थी।वहीं अब जब सरकार बदली तो भी रेत माफिया का हौंसला कम ना हुआ। बीजेपी नेताओं ने मांग की है कि अब प्रदेश में कानून से चलने वाली सरकार है।इसलिए अवैध काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं जिला खनिज अधिकारी ने इस पूरे मामले में जांच के बाद अपराध पंजीबद्ध करने की बात कही है।

रात को जब खनिज विभाग की टीम रेत खदान में कार्रवाई करने पहुंची थी तो अजीब घटना हुई। हाईवा का ड्राइवर गाड़ी चालू कर कूद गया।जिसके बाद गाड़ी बिना ड्राइवर के खनिज विभाग के कर्मचारियों की ओर आई। मौके पर कार्रवाई कर रहे खनिज निरीक्षक सहित टीम ने अपने सामने गाड़ी आती देख किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई।

खनिज अधिकारी मीनाक्षी साहू ने कहा खनन माफिया ने हद पार कर दी है।चैन माउंटेन की सील तोड़कर उसे फिर से इस्तेमाल में लाने की जानकारी सामने आई है।जिस दिन कार्रवाई करने गए थे उस दिन हाईवा के ड्राइवर ने गाड़ी खनिज विभाग की टीम की ओर मोड़ दी और कूदकर भाग गया।जिसके बाद किसी तरह से विभाग के कर्मचारियों ने अपनी जान बचाई।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार पोड़ में नदी में पानी आने और मशीन में खराबी आने के कारण अभी खनन को रोक दिया गया है। लेकिन जिस मशीन को खनिज विभाग ने सील किया था। उसे फिर से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। वहीं जिला खनिज अधिकारी मीनाक्षी साहू ने दावा किया है कि मामले में अब खदान चालू किया जाता है तो अपराध पंजीबद्ध किया जाएगा। संयुक्त रूप से सबंधित अधिकारियों के साथ इस मामले को लेकर चर्चा की जा रही है।

जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों का मामला

जनहित याचिकाओं पर मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट में पेश किया शपथपत्र

बिलासपुर। जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की भीड़ और उनके रहने की अमानवीय परिस्थितियों को लेकर पेश जनहित याचिकाओं पर मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट में शपथपत्र पेश कर दिया है। बेमेतरा की खुली जेल के जुलाई में पूरा होने का लिखित बयान दिया गया है। इसके कारण डिवीजन बेंच ने जुलाई में अगली सुनवाई निर्धारित कर दी है।

मुख्य सचिव ने जो शपथ पत्र पेश किया उसमें बताया कि, रायपुर और बिलासपुर में विशेष जेलें बनाई जा रहीं हैं। रायपुर में 4000 और बिलासपुर में 1500 बंदियों को रखा जा सकेगा। इसके अलावा बेमेतरा में 200 कि क्षमता के साथ एक खुली जेल का काम जोरों पर चल रहा है। जुलाई माह में यह पूरा हो जायेगा। यह जानकारी आने पर कोर्ट ने मामले में जुलाई माह में ही अगली सुनवाई तय कर दी है।

इससे पूर्व अधिवक्ता शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय जेलों में क्षमता से अधिक बंदियों को लेकर एक जनहित याचिका दायर की थी इसके कुछ समय बाद इनके लिए जेलों में अमानवीय परिस्थितियों को लेकर भी एक पीआईएल लगाई गई। इस बीच हाईकोर्ट के संज्ञान में भी अन्य माध्यमों से यह बात आई कि जेलों में कैदियों की स्थिति अच्छी नहीं है। इसे अदालत ने स्वयं एक पत्र याचिका के तौर पर स्वीकार किया।

चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच में एक साथ सुनवाई शुरू कर ,इसमें अधिवक्ता रणवीर मरहास को न्यायमित्र नियुक्त किया। लगातार चल रही सुनवाई में पहले शासन ने बताया था कि, जेलों में कैदियों के स्वास्थ्य व अन्य सुविधाओं को लेकर काम किया जा रहा है। इसी तरह रायपुर व बिलासपुर जिले में विशेष जेलों की स्थापना व बेमेतरा में खुली जेल शुरू करने की बात कही गई थी।

लड़ाई ने खोला बार का राज, मौके पर पहुंची पुलिस के उड़े होश

बिलासपुर। बिलासपुर के 36 सिटी मॉल के तंत्रा बार पर बिलासपुर पुलिस ने कार्रवाई की है। देर रात युवक-युवतियों के बीच लड़ाई हो गई थी। मामले में पुलिस पहुंची तो लड़के लड़कियां फरार हो गए। वहीं बार में देर रात तक चखना और शराब परोसी जा रही थी। दरअसल, मामला रविवार 14 अप्रैल का है। जहां 36 सिटी मॉल के फ़र्स्ट फ़्लोर पर संचालित तंत्रा बार में युवक-युवतियों के बीच देर रात लड़ाई झगड़े की सूचना पुलिस को मिली। इस पर गश्त सेक्टर अधिकारी थाना प्रभारी कोनी गोपाल सतपती ने 36 सिटी मॉल के अंदर पहुंचकर चेकिंग की। इस दौरान 36 सिटी मॉल के बाहर लगभग छह से आठ युवक-युवतियां नशे की हालत में आपस में मारपीट कर रहे थे, जो पुलिस के पहुचते ही वहां से फरार हो गए।

पुलिस ने जब बार के अंदर चेक किया तो पता चला कि देर रात लगभग एक बजे तक शराब और खाने के सामान चखना बार संचालकों और मैनेजर के द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा था, साथ ही तेज आवाज में म्यूजिक चलाकर नशे की हालत में युवक-युवतियां रात एक बजे डांस करते हुए मिले।

इस तरह देर रात निर्धारित समय के बावजूद बार संचालकों द्वारा शराब औक चखने का सामान उपलब्ध कराना बार लाइसेंस के निर्धारित शर्तों के

उल्लंघन करना पाया। साथ ही नशे में धुत युवक-युवतियां देर रात लड़ाई झगड़े एवं मारपीट जैसी घटना से माहौल खराब करते है। पुलिस टीम ने मौके पर पंचनामा बनाकर गवाहों के सामने बार के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। बार संचालकों को हिदायत दी गई कि वो निर्धारित समय के बाद बार का संचालन न रखें। साथ ही मारपीट और लड़ाई झगड़े में चोटिल युवक और युवती ने थाना सिविल लाइन पहुंचकर सूचना दी कि दो ग्रुप के बीच में बार के अंदर ही विवाद की स्थिति निर्मित हुई और बार के बाहर सिटी मॉल के पार्किंग के आस-पास दोनों ग्रुप लड़ाई करने लगे। पीड़ितों के आवेदन पर थाना सिविल लाइन में एफआइआर दर्ज की गई है। मामले में विवेचना जारी है।

1 लाख के ईनामी नक्सली के साथ 3 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान पूना नर्कोम-नई सुबह, नई शुरूआत तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से नक्सली संगठन में सक्रिय 1 हार्डकोर नक्सली सहित कुल 3 नक्सलियों वण्डो हिड़मा पिता स्व. नंदा (सिंघनमडगू आरपीसी. सीएनएम अध्यक्ष ईनामी 01 लाख रूपये) निवासी छोटेकेडवाल थाना चिंतागुफा, सोड़ी हुंगा पिता स्व. लक्खा (तुमालपाड़ आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य) निवासी तुमालपाड़ थाना चिंतागुफा एवं सोड़ी देवा पिता स्व. हिड़मा (अरलमपल्ली पंचायत आरपीसी. उपाध्यक्ष) निवासी अरलमपल्ली पटेलपारा थाना पोलमपल्ली ने नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में परमेश्वर तिलकवार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सुकमा के समक्ष मंगलवार को आत्मसमर्पण कर दिया है। ईनामी नक्सली वण्डो हिड़मा को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में 131 वाहिनी सीआरपीएफ के आ-सूचना शाखा, सोड़ी हुंगा को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में 212 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा एवं सोड़ी देवा को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में डीआरजी तथा 208 वाहिनी कोबरा की आसूचना शाखा का प्रयास रहा है। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय कराये जायेंगें। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित नक्सली वण्डो हिड़मा नक्सल संगठन में वर्ष 2005- 2015 तक सिंघनमडगू आरपीसी सीएनएम सदस्य। सोड़ी देवा नक्सल संगठन में वर्ष 2016 से 2018 तक ग्राम अरलमपल्ली डीएकेएमएस सदस्य। वर्ष 2019 से 2021 तक अरमलपल्ली पंचायत जनताना सरकार उपाध्यक्ष। वर्ष 2022 से अब-तक अरमपल्ली पंचायत जनताना सरकार उपाध्यक्ष के पद पर सक्रिय रहा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कांग्रेस नेता की कार से 25 हजार रु. लेकर भागे बदमाश

कबीरधाम। कवर्धा शहर में युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव आकाश केसरवानी के घर के बाहर खड़ी कार में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। कार का शीशा तोड़कर 25 हजार रुपये की चोरी हुई है। इस मामले में आकाश केसरवानी ने कवर्धा कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं कार से रुपये निकालते और चोरी करते पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया है। वीडियो में तीन अज्ञात बदमाश इस घटना को अंजाम देते दिखाई दे रहे हैं। यह घटना आकाश केसरवानी के राम नगर स्थित घर में हुआ है। उन्होंने बताया कि सोमवार रात करीब 11.30 कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व सीएम भूपेश बघेल के सभा में शामिल होकर लौटे थे। भोजन कर के सो गए थे। तभी रात करीब 2.30 बजे कार के शीशा टूटने की आवाज सुनकर बाहर निकले। अज्ञात बदमाश करीब पांच लोग थे, जो दो बाइक में थे। कुछ दूर तक उनका पीछा किया किया लेकिन आरोपी भागने में कामयाब रहे। आरोपियों के पास धारदार हथियार भी था। आकाश केसरवानी ने पुलिस के पास सुरक्षा की गुहार लगाई है।

मतदान दिवस पर सभी कोर्ट में अवकाश घोषित

बिलासपुर। देश में लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। शत प्रतिशत मतदान के लिए राज्य निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन लगातार मतदान के लिए जनता से अपील कर रहा है। इसी कड़ी में बिलासपुर हाईकोर्ट ने पहल करते हुए 7 मई को होने वाले वोटिंग को ध्यान में रखते हुए अवकाश घोषित किया है। हर कोई अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें, इसलिए बिलासपुर हाईकोर्ट के कैलेंडर 2024 में आंशिक संशोधन किया गया है। अब लोकसभा में मतदान के दिन 7 मई को बिलासपुर हाईकोर्ट में सार्वजनिक सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। इस दिन अवकाश होने की वजह से अब हाईकोर्ट में 15 जून 2024 को वर्किंग डे घोषित किया गया है। रजिस्ट्रार जनरल सुधीर कुमार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस दिन शनिवार होने के बाद भी अदालती कामकाज कर अवकाश समायोजित किया जाएगा। प्रदेश में तीन चरणों में चुनाव कराए जा रहे हैं। बस्तर लोकसभा क्षेत्र के साथ ही जमीनी क्षेत्र में अलग-अलग दिन मतदान रहेगा।

अदाणी फाउंडेशन ने घाटबर्रा में लगाया हेल्थ कैंप

अम्बिकापुर। अदाणी फाउंडेशन की ओर से उदयपुर ब्लॉक के ग्राम घाटबर्रा में शनिवार को एक दिवसीय मल्टीस्पेशियलिटी हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत अंबिकापुर के प्रसिद्ध साधु राम प्रहलाद राय अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बहुस्तरीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में पड़ोसी गांवों फतेहपुर और तारा के निवासियों सहित कुल 110 ग्रामीणों को चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। इस दौरान शिविर में उपस्थित बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित पवार, जनरल फिजिशियन एमडी डॉ. इम्तियाज अली, आर्थोपेडिक शल्य चिकित्सक डॉ. बी राकेश, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. बीवी शरण्या, अदाणी इन्टरप्राइसेस (एईएल) के चिकित्सक डॉ। दीपक कुमार पंगले और डॉ. चंद्र नाथ डे सहित विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों की नि:शुल्क जाँच और परामर्श के पश्चात आवश्यक दवाइयां भी वितरित की गई।

शहर हुआ भगवमय, आज निकाली जायेगी झांकी

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय में हिंदू नव वर्ष के आगमन के साथ ही पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। शहर के दंतेश्वरी मंदिर से लेकर शहीद पार्क चौक, चांदनी चौक से लेकर धरमपुरा तक पूरा शहर भगवा रंग में रंग गया है। विभिन्न संगठनों के द्वारा प्रतिदिन धार्मिक आयोजन किया जा रहा हैं। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी 17 अप्रैल को श्रीरामनवमी का त्यौहार मनाया जाएगा। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। श्रीरामनवमी के अवसर पर 17 अप्रैल को बड़ी संख्या में शहर में झांकी निकाले जाने की तैयारी की गई है। वहीं सिरहासार भवन में श्रीराम दरबार लगाया गया है। सिरहासार चौक में भी भगवान श्रीराम की प्रतिमा स्थापित की गई है। इसी प्रकार चांदनी चौक और श्रीराम चौक में भी भगवान श्रीराम की प्रतिमा स्थापित कर प्रतिदिन श्रीराम नाम जाप के साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। बडी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना में सम्मिलित होकर पुण्य-लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

कोरबा में यात्रियों से भरी बस ट्रक से टकराई

कोरबा। कोरबा में डॉल्फिन बस सर्विस की एक यात्री बस सुबह-सुबह दुर्घटना का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि यात्रियों से भारी डॉल्फिन बस उड़ीसा के अंगुल के पास हादसे का शिकार हो गई। जहां सड़क पर खड़े ट्रक में बस जा घुसी। इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। सभी को बस से बाहर निकाल कर अस्पताल के लिए रवाना किया। इस हादसे में बस के चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सोमवार की शाम छह बजकर 10 मिनट पर कोरबा टीपी नगर बस स्टैंड से पुरी के लिए डॉल्फिन बस सर्विस रवाना हुई थी। जिस पर 15 लोग सवार थे। वहीं रायगढ़ में लगभग 11 लोग और सवार हुए लगभग 26 लोग यात्रा कर रहे थे। जहां डॉल्फिन बस उड़ीसा पहुंचते ही अंगुल के पास सड़क पर खड़े ट्रक से जा टकराई। यह हादसा तड़के सुबह लगभग पांच बजे हुआ। इस हादसे में चालक की मौत हो गई। वहीं हेल्पर को भी गंभीर चोट आई है। इसके अलावा आधा दर्जन यात्री भी घायल हो गए हैं।

आखिर क्यों न हो नक्सलियों से बातचीत?

पंकज चतुर्वेदी

गर्मी और चुनाव की तपन शुरू हुई और नक्सलियों ने धुंआधार हमले शुरू कर दिए, हालांकि सरकार की कार्रवाई में बीते दो महीनों में 31 नक्सली मारे गए और कई बड़े नाम आत्मसमर्पण कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनते ही उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दो बार मंशा जाहिर की कि सरकार बातचीत के जरिये नक्सली समस्या का निदान चाहती है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नक्सलियों के गढ़ दंतेवाड़ा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नक्सलियों से हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करते हुए आश्वासन दिया था कि उनकी सरकार उनके साथ बातचीत के लिए तैयार है और वह हर जायज मांग को मानेगी। इसके बाद 21 मार्च को

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प ने पत्र जारी कर कहा कि हम सरकार से बातचीत को तैयार हैं लेकिन सरकार पहले हमारी शर्तों को माने। शर्तों में सुरक्षा बलों के हमले बंद करने, गरीब आदिवासियों को झूठे मामलों में फंसाने से रोकने जैसी बातें हैं।

समझना होगा कि नक्सली कई कारणों से दबाव में हैं। सरकार की स्थानीय आदिवासियों को फोर्स में भर्ती करने की योजना भी कारगर रही है। एक तो स्थानीय लोगों को रोजगार मिला, दूसरा, स्थनीय जंगल के जानकार जब सुरक्षा बलों से जुड़े तो अबुझमाड़ का रास्ता इतना अबूझ नहीं रहा। तीसरा, जब स्थानीय जवान नक्सली के हाथों मारा गया और उसकी लाश गांव-टोले में पहुंची तो ग्रामीणें का रोष नक्सलियों पर बढ़ा।

एक बात जान लें कि दंडकारण्य में नक्सलवाद महज फैंटेसी, गुंडागर्दी या फैशन नहीं है। वहां खनिज और विकास के लिए जंगल उजाड़ने व पारंपरिक जनजाति संस्कारों पर खतरे तो हैं और नक्सली अनपढ़- गरीब आदिवासियों में यह भरोसा भरने में समर्थ रहे हैं कि उनके अस्तित्व को बचाने की लड़ाई के लिए ही उन्होंने हथियार उठाए हैं।

बस्तर में लाल-आतंक का इतिहास महज चालीस साल पुराना है। बीते बीस सालों में यहां लगभग 15 हजार लोग मारे गए जिनमें 3500 से अधिक सुरक्षा बल के लोग हैं। बस्तर से सटे महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश में इनका सशक्त नेटवर्क है।

नक्सली कमजोर तो हुए हैं लेकिन अपनी हिंसा से बाज नहीं आ रहे। कई बार वे अपने अशक्त होते हालात पर पर्दा डालने के लिए कुछ न कुछ ऐसा करते हैं जिससे उनका आतंक कायम रहे। याद करें 21 अक्तूबर 2016 को न्यायमूर्ति मदन लोकुर और ए.के. गोयल की पीठ ने फर्जी मुठभेड़ के मामले में राज्य सरकार के वकील को सख्त आदेश दिया था कि पुलिस कार्रवाई तात्कालिक राहत तो है लेकिन स्थाई समाधान के लिए राज्य सरकार को नगालैंड व मिजोरम में आतंकवादियों से बातचीत की ही तरह बस्तर में भी बातचीत कर हिंसा का स्थाई हल निकालना चाहिए।

नक्सल प्रभावित इलाकों में वोटिंग कराने के लिए हेलीकाप्टर से रवाना हुई मतदान दल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव तीन चरणों में होना है। नक्सल प्रभावित बस्तर लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को पहला चरण चुनाव होना है। इसके लिए मतदान दलों को अति नक्सल संवेदनशील केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया है। बता दें कि प्रदेश के 11 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को तीन चरणों में मतदान होगा। बस्तर एकमात्र सीट होगी जहां 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा।

लोकसभा चुनाव से तीन दिन पहले नक्सल प्रभावित इलाकों में मतदान दलों को रवाना किया जा रहा है। नारायणपुर और बीजापुर में मतदान दल हेलीकॉप्टर से नक्सल प्रभावित इलाकों के लिए रवाना किया गया है। बस्तर लोकसभा सीट के 1 हजार 957 मतदान केंद् बनाए गए हैं। इसमें से अतिसंवेदनशील 150 मतदान केंद्रों हैं। इसके लिए मतदान दलों को तीन दिन पहले हेलीकाप्टर से

रवाना किया गया है। बताया जा रहा है कि आज मंगलवार को 75 दल हेलीकॉप्टर से रवाना किया गया है। वहीं बुधवार को 75 दल भेजे गए।

बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने कहा कि हम मतदान टीमों को सीधे हेलीकॉप्टर के माध्यम से उन क्षेत्रों में भेजते हैं, जो खतरे वाले क्षेत्र हैं। इसमें केंद्रीय सशस्त्र बल, राज्य सशस्त्र बल और डीआरजी सभी शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्र प्रभुत्व खोज करेंगे। एक सुरक्षित वातावरण में आम लोग अपना वोट डाल सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी सिविल सेवा रिजल्ट, प्रदेश की अनुषा पिल्लै को मिला 202वां रैंक

रायपुर/नई दिल्ली। यूपीएससी ने सिविल सेवा 2023 मुख्य परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस लिस्ट में छत्तीसगढ़ की एसीएस रेणु पिल्लै की बेटी अनुषा पिल्लै ने 202वां रैंक हासिल किया है। मूल रूप से आंध्र प्रदेश की रेणु पिल्लै 1991 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। जो अभी व्यापमं में अपर मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहीं हैं।रेणु पिल्लै के पति संजय पिल्लै छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजी रह चुके हैं। इस लिस्ट में आदित्य श्रीवास्तव ने पहला और अनिमेष प्रधान ने दूसरा रैंक हासिल किया है।वहीं डोनुरु अनन्या रेड्डी ने तीसरी रैंक हासिल की है। सीएसई मुख्य परीक्षा 15 सितंबर से 24 सितंबर तक दो पालियों में आयोजित की गई थी। प्रत्येक पाली में मुख्य परीक्षा तीन घंटे तक चली, सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें कुल 347 सामान्य, 116 ईडब्ल्यूएस श्रेणी, 303 ओबीसी, 165 एससी और 86 एसटी उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है। आपको बता दें कि नियुक्ति के लिए कुल 1016 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों का रोल नंबर यूपीएससी ने जारी किया है। 355 अनुशंसित उम्मीदवारों की उम्मीदवारी को अनंतिम श्रेणी में रखा गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों का चयन करने के लिए यूपीएससी हर साल तीन चरणों - प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है।

विधानसभा वार मतदान दलों और माइक्रो ऑब्जर्वर का तृतीय रेंडमाईजेशन

जगदलपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों, दिव्यांगजनों द्वारा संचालित मतदान केंद्रों, युवा मतदान केंद्र और संगवारी मतदान केंद्रों के लिए मतदान दलों का तृतीय रेंडमाईजेशन प्रेक्षक जे. गणेशन की उपस्थिति में किया गया। प्रेक्षक श्री गणेशन नारायणपुर जिले के एनआईसी कक्ष से जुड़े हुए थे। विधानसभा क्षेत्र कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा (सुकमा) के जिला निर्वाचन अधिकारी और उप जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में ऑनलाइन रेंडमाईजेशन की प्रक्रिया किया गया। जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विजय दयाराम के नेतृत्व में तृतीय रेंडमाईजेशन किया गया। बस्तर जिले के बस्तर विधानसभा क्षेत्र में 10 संगवारी मतदान केंद्र, एक दिव्यांगजनों द्वारा संचालित मतदान केंद्र और 5 युवा मतदान केंद्र, जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में 101 संगवारी मतदान केंद्र, एक दिव्यांगजनों द्वारा संचालित मतदान केंद्र और 05 युवा मतदान केंद्र और चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र में 14 संगवारी मतदान केंद्र, एक दिव्यांगजनों द्वारा संचालित मतदान केंद्र और 05 युवा मतदान केंद्र सहित सभी मतदान केंद्रों के लिए मतदान दलों, रिजर्व मतदान दलों का रेंडमाईजेशन किया गया। इसके अलावा माइक्रो ऑब्जर्वरों का भी रेंडमाईजेशन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रकाश सर्वे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण वर्मा सहित अन्य सहायक रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित रहे।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदान के लिए जागरूकता का दिया संदेश

सुकमा। लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत प्रशासन के द्वारा चलाया जा रहे जिला स्तरीय स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला मुख्यालय सुकमा के खेल मैदान में मंगलवार को जिला स्तरीय वृहद स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने मतदाता जागरूकता हेतु विशाल रंगोली व मानव श्रृंखला बनाकर शत-प्रतिशत मतदान हेतु जागरूकता का संदेश दिया। विदित हो कि नक्सल प्रभावित जिले में शत-प्रतिशत मतदान के प्रयास हेतु इस कार्यक्रम में जिले के समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी स्कूल के बच्चों ने सहभागिता निभाते हुए मतदान हेतु जागरूकता किया।

कांग्रेस की फर्जीवाड़े की आदत गई नही : श्रीवास्तव

भूपेश को पहले जनता, फिर कार्यकर्ताओं और अब परिवार ने भी नकारा : भाजपा

रायपुर। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार जाने के बाद कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री व राजनांदगाँव से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल की राजनीतिक दशा पर कटाक्ष करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि न केवल कांग्रेस जनता के मन से उतरी है, बल्कि भूपेश बघेल भी जनता के साथ-साथ कार्यकर्ताओं और अब परिवार के लोगों को मन से भी उतर गए हैं, जिनकी भाभी सीमा बघेल ने भी कांग्रेस छोड़ भाजपा में प्रवेश कर लिया है। श्री श्रीवास्तव ने कांग्रेस पर इस बात के लिए हमला बोला कि कांग्रेस द्वारा महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने के नाम पर जो फार्म भरवाया जा रहा है, उसे बस्तर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने झूठा बताया है। इससे कांग्रेस का झूठ सबके सामने आ गया है।

श्रीवास्तव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भूपेश सरकार के धत्कर्मों और भ्रष्टाचार ने प्रदेशवासियों के मन में गहरा आघात किया हैं। झूठ-फरेब की राजनीति और वादाखिलाफी के साथ-साथ भ्रष्टाचार व घोटालों के सरताज भूपेश बघेल की सरकार से बुरी तरह त्रस्त जनता ने 75 पार का नारा देने वाली कांग्रेस को प्रदेश की जनता ने 35 सीटों पर ला पटका! इधर सरकार जाने के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने खुलकर भूपेश बघेल के खिलाफ जंगी मोर्चा खोल दिया! राजनांदगाँव के कार्यकर्ता सम्मेलन में खूब खरी-खोटी सुनने के बाद अपने ही कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताने वाले भूपेश बघेल के शासनकाल में आम कार्यकर्ताओं और महिलाओं का सम्मान सुरक्षित नहीं रह गया था। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस से बिलासपुर एवं जगदलपुर की महापौर क्रमशः वाणी राव जी एवं सफिरा साहू ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में महिलाओं का कोई सम्मान नहीं हुआ। महिलाओं से किए गए सारे वादों से कांग्रेस मुकर गई! महिलाओं को 500 देने की बात, चार सिलेंडर देने की बात, महिला स्व-सहायता समूहों के कर्जा माफ़ी की बात कोरा झूठ साबित हुई!

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता अरुण सिसोदिया ने तो भूपेश बघेल एवं उनके नजदीकियों पर संगठन के पैसो में घोटाला करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के ही दिग्गज नेता रहे चंद्रशेखर शुक्ला ने भूपेश बघेल को झीरम घाटी कांड में संदिग्ध बताया। राजनांदगाँव के दिग्गज नेता सुरेंद्र दाऊ ने भी भूपेश दाऊ पर खुले मंच से गंभीर आरोप लगाया, और अब भूपेश बघेल की भाभी ने भाजपा में शामिल होकर बता दिया है कि जनता और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ परिवार भी अब भूपेश बघेल के साथ नहीं हैं और पहले जनता, फिर कार्यकर्ता और अब परिवार ने भी छोड़ दिया है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने एक लाख रुपए सालाना देने के नाम पर कांग्रेस के लोगों द्वारा भराए जा रहे फार्म को लेकर कांग्रेस के बस्तर के अध्यक्ष ने यह माना है कि जो फॉर्म भरवाया जा रहा हैं वो फर्जी है। पत्रकारवार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी भी मौजूद थे।

केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना करवाई जाएगी : वर्मा

रायपुर। केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर देश मे वंचित वर्गों को उनका अधिकार देने जातिगत जनगणना करवाई जाएगी। केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी जनगणना के जिम्मेदारी से लगातार भाग रही है। 2011 के बाद से देश में आम जनगणना नहीं हुआ है। जनगणना के आंकड़े अलग-अलग वर्गों के असलियत को प्रदर्शित करते है जिसके आधार पर सामाजिक न्याय के कार्यक्रम बनाये जाते है। जब जनगणना ही नहीं होगा तो वास्तविक स्थिति सामने कैसे आयेगी?उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहीं।

देश में जाति आधारित गिनती इसलिये जरूरी है क्योंकि सदियों से जाति व्यवस्था हमारे समाज की वास्तविकता है। इसमें जाति, जो कि जन्म से तय होती है, के आधार पर होने वाले भेदभाव और अन्याय को कोई नकार नहीं सकता। लगभग दो सौ साल की गुलामी के बाद आज़ाद हुए भारत के सामने कई चुनौतियां थीं। इसके चलते जाति आधारित गिनती सन 1951 से नहीं हुई। केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की गिनती हर जनगणना में नियमित रूप से होती रही है। पिछली जनगणना सन 2021 में होनी थी लेकिन मोदी सरकार ने लगातार इसको टाला है। इस कारण सरकार के पास अन्य जातियों को तो छोड़ ही दें एससी और एसटी की जनसंख्या कितनी है, इसकी भी जानकारी नहीं हैं। सन् 2011 में जब यूपीए की सरकार थी तब 25 करोड़ परिवारों को शामिल करते हुए सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना आयोजित की गई थी। जिसमें इन परिवारों का जातिय, सामाजिक और आर्थिक डेटा इकट्ठा किया गया था। सामाजिक-आर्थिक डेटा का उपयोग अब कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए किया जाता है लेकिन जाति से जुड़ी जानकारी और डेटा मोदी सरकार द्वारा कभी प्रकाशित ही नहीं किया गया। पिछले तीन दशकों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य पिछड़े वर्ग, और सामान्य वर्ग के भी आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को शिक्षा और सार्वजनिक क्षेत्र में रोजग़ार में आरक्षण दिया जा चुका है।

ईडी और एसीबी की एफआईआर को दी चुनौती, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

हाईकोर्ट की शरण में मार्कफेड के पूर्व एमडी

बिलासपुर। मार्कफेड में कस्टम मिलिंग के चावल में गड़बड़ी कर करोड़ों रुपये के घोटाले का मामला अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी ने याचिका दायर कर ईडी और एसीबी की एफआईआर को चुनौती देते हुए अंतरिम राहत के लिए आवेदन किया है। मामले में हाईकोर्ट ने ईडी और राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले की सुनवाई 23 अप्रैल को होगी।

दरअसल प्रदेश में हुए चावल घोटाले पर ईडी ने इनकम टैक्स की शिकायत के आधार पर जांच की शुरूआत की। इस दौरान संदिग्ध दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और 1 करोड़ 6 लाख कैश मिला है। आयकर छापे से विभाग को मार्कफेड से जुड़े लोगों द्वारा साजिश रचने और करोड़ों की रिश्वत हासिल कर मिलर्स को फायदा पहुंचाने की जानकारी मिली थी।

मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी ने ईडी और एसीबी की कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अपनी याचिका में उन्होंने ख़ुद्रक को ही गैरकानूनी बताया है। साथ ही अंतरिम राहत के लिए आवेदन कर एफआईआर पर रोक लगाने की मांग की गई है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस टीपी शर्मा की बेंच ने ईडी और एसीबी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

कांग्रेस में नहीं किया जाता महिलाओं का सम्मान : वानी राव

▪ बिलासपुर की पूर्व महापौर का कांग्रेस पर सनसनीखेज आरोप

बिलासपुर। बिलासपुर की पूर्व महापौर वानी राव ने कांग्रेस पर कई सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में महिलाओं का सम्मान नहीं किया जाता है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी में नारियों का सम्मान किया जाता है। जो नारी का सम्मान नहीं कर सकता, वो लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज नहीं कर सकता।

वानी राव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मैं कांग्रेस में महापौर के पद में थी, और वहां से मैं भाजपा में आई। कांग्रेस में कहीं ना कहीं मुझे अपमानजनक स्थिति से गुजरना पड़ा। पिछले कई साल से वहां घुटन महसूस कर रहे थे। जो माहौल छत्तीसगढ़ का होना था, वो पूरी तरीके से तबाह हो गया था। कांग्रेस में हमें ऊपर से सिर्फ़ यही कहा जाता था कि छत्तीसगढ़िया हित की बात कहीं नहीं हुई।

महिलाओं का तो कोई भी योजनाओं के माध्यम से सम्मान नहीं हुआ। पिक एंड चूस हुआ, जिसमें कुछ लोगों को लाभ मिला होगा। जो स्व-सहायता समूहों से रेडी-टू-ईट छीन सकते हैं, वो महिलाओं के बारे में क्या सोचेंगे। महिलाओं के उत्पादों को बाजार देने की बात हो रही थी। सी मार्ट में देखिए ना, क्या मिल रहे है रेट्स, और उसमे बिचौलिये जिस तरीके से हावी थे। समूहों से जाकर बात करने पर पता चलता है कि महिलाएं जहां की तहां हैं। डायरेक्ट कैश ट्रांसफ़र की बात की गई, लेकिन क्यों नहीं किया गया। कई महिलाओं ने 'जन धन' पर काम किया, लेकिन उन्हें पैसे नहीं मिले। छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ियों के हित के नाम पर क्रिमिनल सिंडिकेट काम कर रहा था। हर जिले में कर रहा था, उस ग्रुप ने सभी के दिल को बुरी तरह आहत पहुंचाई। इस सब बातों पर सोचकर मैंने फैसला लिया। प्रदेश में इतने अपराध हुए कोई भी सुनवाई नहीं हुई। कांग्रेस सरकार में छत्तीसगढ़ महिलाओं के साथ होने वाले अपराध में देश में पांचवें नम्बर पर था। एक भी जिला बता दीजिए, जिसमें महिलाओं के लिए स्पेशल सेल बना हो।

प्रियंका के छत्तीसगढ़ प्रवास पर विजय शर्मा का सवाल

पूछा- कहां है कांग्रेस का राजनीतिक वजूद?, क्या कहकर करेंगे प्रचार?

रायपुर। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इसके पहले उनके आगमन पर कांग्रेस वालों ने जनता के पैसों से गुलाब के फूल बिछाए थे। फिर गुलाब की उन पंखुड़ियों से गुलकंद बना लिया था। अब एक बार फिर ऐसा ही कुछ करने वाले होंगे। सवाल यह है कि कांग्रेस का राजनीतिक अस्तित्व और वजूद कहां है? क्या कहकर प्रचार करेंगे यह देखने का विषय होगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से अनेक विषयों पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और बीजेपी के बीच कार्टून वार पर उन्होंने कहा कि मोदी की मर्जी नहीं, सबका साथ, सबका विकास नारा है। राहुल गांधी बताएं आखिर वे क्या चाहते हैं। समाज में संघर्ष उत्पन्न हो, ऐसा राहुल गांधी चाहते हैं। कांग्रेस हमेशा अपने विचारों को समाज पर थोपती रही है। राहुल गांधी की बातों पर अब लोग विश्वास नहीं करते हैं।

बस्तर में तीन दिनों बाद होने वाले मतदान को लेकर विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर इस बार बदला हुआ है। हर चुनाव से पहले नक्सली घटना किया करते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ है। चुनौतियों की बीच भाजपा के कार्यकर्ता लोगों तक जा रहे हैं।

वहीं अमित शाह के 3 साल में नक्सलवाद खत्म करने के वादे पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी विषय को लेकर लक्ष्य बांधकर चलना पड़ता है। बहुत सारे लोग मुख्यधारा में लौट रहे हैं। बहुत अच्छी पुनर्वास नीति के साथ फिर सामने आएंगे, चर्चा अनुबंधों का रास्ता भी अपनाएंगे। जो मुख्यधारा में वापस आना चाहें, उनका स्वागत है। हमारी सरकार नक्सलवाद रोकने हर जरूरी कदम उठाएगी।

छत्तीसगढ़ बोर्ड के 10वीं-12वीं के नतीजे 30 तक आने की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल यानी सीजी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के परिणाम एक पखवाड़े के अंदर जारी हो सकते हैं। माशिमं ने बोर्ड परीक्षा परिणाम को लेकर पूरी तैयारी कर ली है। 10वीं और 12वीं के रिजल्ट 30 अप्रैल तक घोषित हो सकते हैं। कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य 14 अप्रैल को पूरा हो चुका है। रिजल्ट ऑनलाइन माध्यम से बोर्ड अध्यक्ष की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषित किया जायेगा। इसके बाद उसका लिंक ऑफिशियल वेबसाइट cgbse.nic.in पर डाल दिया जाएगा। ताकि छात्र रोल नंबर से अपने रिजल्ट चेक कर सकें।

हालांकि बोर्ड की ओर से परीक्षा के परिणाम की तारीखों के बारे में कोई भी अधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य हो जाने से 15 दिन के अंदर रिजल्ट तैयार हो सकता है। ऐसे में 30 अप्रैल या एक मई को परीक्षा परिणाम जारी किये जा सकते हैं।

बोर्ड परीक्षाएं एक मार्च से 23 मार्च तक हुई थी। जहां 10वीं की परीक्षा 2 मार्च शुरू होकर 21 मार्च को खत्म हुई। वहीं 12वीं की परीक्षा 1 मार्च से 23 मार्च तक चली। इस बार लोकसभा चुनाव होने की वजह से जल्द ही बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो गई। बोर्ड परीक्षा जल्द खत्म होने से मूल्यांकन भी 14 अप्रैल तक पूरा हो चुका है। 10वीं में इस बार 3 लाख 45 हजार छात्रों ने परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसी तरह 12वीं में 2 लाख 55 हजार छात्रों ने पंजीयन कराया है।

सीजी बोर्ड रिजल्ट 2024 का डायरेक्ट लिंक आधिकारिक वेबसाइट cgbse.nic.in पर एक्टिव रहेगा। रिजल्ट जारी होते ही स्टूडेंट्स वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकते हैं। 10वीं और 12वीं का रिजल्ट चेक करने के लिए छात्र-छात्राओं को रोल नंबर दर्ज करना होगा।

महंगाई को लेकर धनंजय ठाकुर ने भाजपा पर साधा निशाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा-कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। एक-दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 10 साल की नाकामी ने एक बार और लग्जरी कार में घूमने वाले भाजपा नेताओं को चाय की चुनावी केटली पकड़ने मजबूर कर दिया।

उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में मोदी सरकार ने जनता से कितने वादे को पूरा किया, लेकिन भाजपा नेताओं के पास इसका कोई जवाब नहीं है। 10 साल से जनता सिर्फ जुमला सुन रही है, मन की बात सुन रही है, लेकिन काम की बात आज तक कभी भाजपा नेताओं के मुंह से निकला नहीं है। जनता अब अपनी मन की बात भाजपा नेताओं को बताएगी। केंद्र में बदलाव होगा। मोदी सरकार की विदाई तय है। धनंजय सिंह भाजपा नेताओं को बहरूपिया चरित्र बताए हुए कहा कि देश जनता समझ गई है। जनता 2014 में भाजपा नेताओं के साथ चाय पीने का कर्ज अब तक चूका रही हैं। उसके एवज में हर आवश्यक वस्तु में जीएसटी दे रहे हैं। पेट्रोल डीजल रसोई गैस के महंगे दामों से प्रताड़ित है। खाद्य सामग्री, स्टेशनरी, दवाईयां की दो गुना तीन गुना कीमत दे रही हैं। देश में बढ़ती महंगाई बेरोजगारी और 205 लाख करोड़ के कर्ज से जख्मी हो गया है। इस जख्म की दवा अब भाजपा सरकार के पास नहीं है।

प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि जो भाजपा नेता आज चाय की चुनावी केटली पकड़े नजर आ रहे हैं। इन्होंने ही सत्ता परिवर्तन के बाद प्रदेश में ठेला खोमचा, रेहड़ी वाला, सड़क किनारे पसरा लगाने वालों पर बुलडोजर चलवाया था। रोजी-रोटी छीनकर उनके परिवार को तंगहाली में ढकेला था। उन्होंने कहा कि जनता आज चाय पर नहीं काम पर चर्चा करना चाहती है।

कांग्रेस छोड़ भाजपा जाने वालों पर सिंहदेव का तंज

▪ कहा- पहले इधर मलाई खाई, अब उधर मलाई खाने गये हैं

सरगुजा। सोमवार को छत्तीसगढ़ के सरगुजा लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस और भाजपा समेत तीन प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कांग्रेस प्रत्याशी शशि सिंह ने चैत्र नवरात्रि की सप्तमी पर मां महामाया के दर्शन की, जिसके बाद कलेक्टोरेट जाकर अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान कांग्रेस ने शहर में विशाल नामांकन रैली निकाली। कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन रैली में पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शामिल हुए।

नामांकन रैली के दौरान कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वाले नेताओं को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने करारा हमला बोला है। टीएस सिंहदेव ने बिना नाम लिये भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज पर निशाना साधा और इशारों में बोले, पहले इधर जो लोग मलाई खा रहे थे, अब उधर भी मलाई खाने गये हैं। ऐसे लोगों के जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

टीएस सिंहदेव ने कहा एक व्यक्ति के शामिल होने से कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि लोग हंस रहे है। आज ही किसी व्यक्ति ने मुझसे कहा और मैं भी इस बात को दोहरा रहा हूं कि जो मलाई खा रहे थे, वहीं उधर दिख रहे हैं। पांच साल जो इधर मलाई खाते हुए दिखे, वही उधर जाते हुए दिख रहे हैं। इसका प्रभाव उल्टा पड़ता है, लोग हंसते है कि उनके जाने से क्या प्रभाव पड़ेगा।

सिंहदेव के इस बयान पर पलटवार करते हुए चिंतामणि महाराज ने कहा, हमने मलाई नहीं खाया। हम अपने घर में आए है और सब की मंशा के अनुरूप और स्वेच्छा से काम कर सकेंगे। अगर काम करने को मलाई खाना कहा जाता है, वो यह गलत बात है। भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज ने कहा हम इसलिए भाजपा में शामिल हुए, क्योंकि जैसा चाहते थे वैसी स्वतंत्र रूप से जनता की सेवा नहीं कर पा रहे थे। भाजपा में कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा।

भाजपा ने चिंतामणि महराज को सरगुजा लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। चिंतामणि महराज कांग्रेस से पहले भाजपा में थे। रमन सरकार में उन्हें संस्कृत बोर्ड का अध्यक्ष भी बनाया गया था। लेकिन फिर भाजपा में तवज्जो ना मिलने से नाराज होकर वो कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव के करीब आये और कांग्रेस ज्वाइन किया। 2013 में कांग्रेस की टिकट पर सरगुजा जिले की लुंड्रा विधानसभा से विधायक चुने गये। 2018 में बलरामपुर जिले की सामरी विधानसभा से विधायक बने। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया। जिससे नाराज चिंतामणि महराज ने एक बार फिर दल बदल लिया और भाजपा में शामिल हो गये। भाजपा ने उन्हें अपने तमाम सीनियर नेताओं को किनारे करते हुए कांग्रेस से भाजपा में आए चिंतामणि महराज को टिकट दे दिया।

मौन मतदाताओं ने बढ़ाई राजनीतिक दलों की परेशानी

उमेश चतुर्वेदी

जिन इलाकों में पहले दौर में मतदान होना है, निश्चित तौर पर वहां चुनाव प्रचार तेज है। जिन राजनीतिक दलों की साख और ताकत दांव पर लगी है, वे और उनके नेता इन इलाकों में चुनाव प्रचार के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इतने प्रचार अभियान के बावजूद अधिकांश मतदाता मौन है। सोशल मीडिया के मंचों पर अपने राजनीतिक विचारों को उगलते रहने वाले लोगों, ट्रोलरों और राजनीति के उत्साही कार्यकर्ताओं को छोड़ दें तो मोटे तौर पर मतदाता ने चुप्पी साध रखी है। ऐसे में राजनीतिक दलों की धड़कनें बढ़ना स्वाभाविक है। मतदाता जब चुप होता है तो उसके मन की थाह लगाना आसान नहीं होता। सोशल मीडिया के मंचों को छोड़ दें तो आज का मतदाता दशक-डेढ़ दशक के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा सयाना हो चुका है। ज्यादातर मतदाताओं की राजनीतिक दलों को लेकर अपनी पसंद और नापसंद है। चूंकि उसके पास अब सूचनाओं और जानकारी के कई संसाधन मौजूद हैं, लिहाजा वह पहले के वोटरों की तुलना में जानकारियों से कहीं ज्यादा लैस है। आज तकरीबन सबके हाथ में मोबाइल के रूप में जादुई बक्सा आ गया है, जिसके जरिए मनोरंजन और सूचनाओं की अबाध बारिश हो रही है, इसलिए आज का मतदाता पहले की तुलना में कहीं ज्यादा सूचनाओं से लैस है। हां, एक खतरा जरूर है कि सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए फेक न्यूज और जानकारियां भी आ रही हैं, इसलिए कुछ मतदाताओं की सोच इसकी वजह से भी प्रभावित है। लेकिन मोटे तौर पर कह सकते हैं कि आज का मतदाता पहले की तुलना में कहीं ज्यादा जागरुक हो गया है, इसलिए वह कहीं ज्यादा सचेत भी है। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में ज्यादातर जगहों पर विपक्ष चुनाव लड़ने की बजाय रस्म निभाते दिख रहा है, इसलिए उसके समर्थक मतदाता ने चुप्पी साध ली है, वहीं सरकार समर्थक मतदाता मान कर ही चल रहा है कि मोदी के सामने कोई खड़ा नहीं है, इसलिए वह निश्चिंतता में चुप्पी साधे हुए है। लेकिन इस प्रक्रिया में खतरा भी है। विशेषकर सत्ता पक्ष के लिए ऐसे खतरे ज्यादा होते हैं। ऐसी चुप्पी के दौरान मतदाता मान लेता है कि वह जाए या ना जाए, उसकी पसंदीदा सरकार को वोट मिल ही रहे हैं। 2004 में ऐसी ही मानसिकता थी। ज्यादातर मतदाता अटल बिहारी वाजपेयी सरकार का समर्थक था, लेकिन स्थानीय स्तर पर चुप था। हां, कुछ क्षेत्रों के मतदाता वाजपेयी की पार्टी और समर्थक वाले सांसदों से निराश जरूर थे, इसलिए उन्होंने वाजपेयी के बजाय स्थानीय सांसद को सबक सिखाने के अंदाज में मतदान किया। जिसका असर हुआ कि वाजपेयी की लोकप्रियता के बावजूद उनकी सरकार नहीं लौट पाई। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए को शायद 2004 का वाकया याद है, इसीलिए उसने जानफूंक रखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो आखिरी दम तक अपनी कोशिश जारी रखते हैं। इसलिए 73 साल में भी वे जहां सरकारी कामकाज जितनी मुस्तैदी से निबटा रहे हैं, उतनी ही मेहनत चुनाव प्रचार पर कर रहे हैं। उनका साथ बीजेपी के यूं तो सारे स्टार प्रचारक दे रहे हैं। लेकिन अमित शाह ने भी अपने तरकश को तमाम तरह के तीरों से सजा लिया है और लगातार चुनावी तीर से मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं विपक्षी हमलों की मिसाइल को धाराशायी करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी कोशिशें विपक्षी नेताओं की तरफ से भी हो रही है। लेकिन उनका आक्रमण देखकर ऐसा नहीं लग रहा कि वे प्रधानमंत्री मोदी से सरकार छीनने की लड़ाई लड़ रहे हैं, बल्कि वे मोदी की ताकत को सीमित करना चाहते हैं। मतदाताओं की चुप्पी को मोदी और अमित शाह ने जहां अपने लिए मौके के रूप में लिया है, वहीं विपक्ष की ओर से ऐसा लगता है कि वह रस्म निभा रहा है। मतदाता भले ही मौन रहें, लेकिन वोटिंग केंद्र पर ईवीएम का बटन दबाते वक्त उनकी चुप्पी टूटनी ही चाहिए। चुनाव आयोग लोकतंत्र के हित में इस चुप्पी को तोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रहा है, वहीं प्रधानमंत्री मोदी एक और कार्यकाल मांगने के लिए मतदाताओं के मन की गांठ खोलने में जुटे हैं। अमित शाह लगातार उनका साथ दे रहे हैं। जबकि विपक्षी मोर्चे की ओर से मोदी-शाह जैसी तेज कोशिश कम नजर आ रही है। किसकी कोशिश कितनी कामयाब रहेगी, इसका पता तो चार जून को नतीजों के साथ चलेगा। लेकिन इतना तय है कि मतदाता अगर चुप रह गया तो लोकतंत्र का सबसे ज्यादा नुकसान होगा।

राजनीति में भी चमके मीडिया के सितारे

प्रो. संजय द्विवेदी

इन दिनों देश में लोकतंत्र का महापर्व चल रहा है। जाहिर है राजनीति का आकर्षण प्रबल है। सिने कलाकार, साहित्यकार, वकील, न्यायाधीश, खिलाड़ी, गायक, उद्योगपति सब क्षेत्रों के लोग राजनीति में हाथ आजमाना चाहते हैं। ऐसा ही हाल पत्रकारिता के सितारों का भी है। मीडिया और पत्रकारिता के अनेक चमकीले नाम राजनीति के मैदान में उतरे और सफल रहे। आजादी के आंदोलन में तो मीडिया को एक तंत्र की तरह इस्तेमाल करने के लिए प्राय: सभी वरिष्ठ राजनेता पत्रकारिता से जुड़े और उजली परंपराएं खड़ी कीं। बालगंगाधर तिलक, महात्मा गांधी से लेकर सुभाष चन्द्र बोस, महामना मदनमोहन मालवीय, पंडित नेहरू सभी पत्रकार रहे। आजादी के बाद बदलते दौर में पत्रकारिता और राजनीति की राहें अलग-अलग हो गईं, लेकिन सत्ता का आकर्षण बढ़ गया। जनपक्ष, राष्ट्र सेवा की पत्रकारिता अब आजाद भारत में राष्ट्र निर्माण का भाव भरने में लगी थी। सेवा राजनीति के माध्यम से भी की जा सकती है, यह भाव भी प्रबल हुआ।

राजनीतिक दलों से संबंधित समाचार पत्रों, पत्रिकाओं के अलावा मुख्यधारा की पत्रकारिता से भी लोग राजनीति में आए, जिसमें सबसे खास नाम श्री अटल बिहारी वाजपेयी का है, जो वीर अर्जुन जैसे दैनिक अखबार के संपादक रहे। इसके साथ ही वे स्वदेश, पांचजन्य और राष्ट्रधर्म के भी संपादक रह चुके थे। वह जहां संसदीय राजनीति के लंबे अनुभव के साथ प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री भी रहे, तो वहीं भाजपा के वह संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। उप प्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी भी हिंदुस्तान समाचार और ऑर्गनाइजर से जुड़े रहे, फिर राजनीति में आए।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे द्वारिका प्रसाद मिश्र दैनिक लोकमत, साप्ताहिक सारथी और श्री शारदा के संपादक के रूप में ख्याति प्राप्त हुए। विंध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शंभूनाथ शुक्ल बाद में बने मध्यप्रदेश में मंत्री और सांसद रहे। विशाल भारत के संपादक रहे बनारसी दास चतुर्वेदी दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। गणेश शंकर विद्यार्थी के शिष्य रहे बालकृष्ण शर्मा नवीन प्रताप के संपादक रहे और कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। महाराष्ट्र का दर्डा परिवार राजनीति में अग्रणी रहा। लोकमत समाचार के संस्थापक जवाहरलाल दर्डा, राजेन्द्र दर्डा और विजय दर्डा सांसद, विधायक और मंत्री रहे। विजया कर्नाटक और कन्नड़ प्रभा अखबार से जुड़े रहे प्रताप सिम्हा भाजपा से दो बार लोकसभा पहुंचे। उनका नाम चर्चा में तब आया, जब उनके द्वारा अनुमोदित विजिटर पास से दो युवकों ने नई संसद में पहुंच कर हंगामा किया।

मूलत: पत्रकारिता से सार्वजनिक जीवन में आने वाले मोतीलाल वोरा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे श्यामाचरण शुक्ल ने रायपुर से दैनिक महाकौशल अखबार निकाला। भाजपा के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों के अध्यक्ष रहे लखीराम अग्रवाल ने बिलासपुर से लोकस्वर अखबार निकाला। बिलासपुर के पत्रकार बीआर यादव मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री और चार बार विधायक रहे। बिलासपुर के ही रहने वाले कवि, पत्रकार श्रीकांत वर्मा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा के सदस्य रहे। वे दिनमान के संपादक मंडल में रहने के बाद राजनीति में आए। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के रहने वाले चंदूलाल चंद्राकर दैनिक हिन्दुस्तान के संपादक रहे। बाद में कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा में भेजा। राजनांदगांव के पत्रकार लीलाराम भोजवानी छत्तीसगढ़ सरकार में श्रम मंत्री रहे। देशबन्धु में पत्रकारिता का पाठ पढ़ने वाले चंद्रशेखर साहू छत्तीसगढ़ से सांसद, मंत्री और विधायक रहे। मध्यप्रदेश में सीहोर के पत्रकार शंकर लाल साहू विधायक रहे। त्रिभुवन यादव पिपरिया से विधायक चुने गए। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे और दो बार विधायक चुने गए विष्णु राजोरिया मूलत: पत्रकार ही हैं, बाद में उन्होंने शिखर वार्ता पत्रिका भी निकाली। मप्र में ही केएन प्रधान सांसद, विधायक और मंत्री भी रहे। नागपुर के अंग्रेजी अखबार हितवाद के प्रकाशन करने वाले बनवारी लाल पुरोहित कांग्रेस और भाजपा दोनों से लोकसभा पहुंचे। संप्रति वे पंजाब के राज्यपाल हैं।

कांग्रेस ने राजीव शुक्ला, प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी, कुमार केतकर, विजय दर्डा आदि को राज्यसभा से नवाजा। राजीव शुक्ला मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। वरिष्ठ पत्रकार संजय निरुपम लोकसभा पहुंचे और मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। सामना के संपादक संजय राऊत अपने धारदार बयानों के लिए लोकप्रिय हैं, वे भी राज्यसभा सदस्य हैं। जनता दल (यू) ने प्रभात खबर के संपादक रहे हरिवंश को दो बार राज्यसभा भेजा, वह इन दिनों राज्यसभा के उपसभापति भी हैं। ऑर्गनाइजर के संपादक रहे श्री के.आर. मलकानी बाद में राज्यसभा पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी ने चंदन मित्रा, दीनानाथ मिश्र, बलबीर पुंज, राजनाथ सिंह सूर्य, नरेन्द्र मोहन, प्रभात झा, तरुण विजय, स्वप्नदास गुप्ता को राज्यसभा भेजा। इनमें मित्रा बाद में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए, जबकि पुंज और झा पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे। प्रभात झा मध्यप्रदेश भाजपा के चर्चित अध्यक्ष भी रहे। भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों में रह चुके वरिष्ठ पत्रकार एमजे अकबर किशनगंज से कांग्रेस से लोकसभा पहुंचे। बाद में भाजपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा और विदेश राज्य मंत्री बनाया।

तृणमूल कांग्रेस ने हाल में ही अंग्रेजी की पत्रकार सागरिका घोष को राज्यसभा भेजा है। इसके पूर्व उर्दू पत्रकारिता से जुड़े रहे नदीमुल हक भी राज्यसभा में पहुंचे। हिंदी अखबार सन्मार्ग के मालिक विवेक गुप्ता तृणमूल से सांसद भी रहे, अब विधानसभा में हैं। कुणाल घोष भी इसी दल से राज्यसभा पहुंचे। हिमाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री मुकेश कौशिक भी मूलत: पत्रकार हैं। वह दिल्ली और शिमला में पत्रकारिता की लंबी पारी के बाद राजनीति में आए। हरियाणा के अंबाला लोकसभा क्षेत्र से 2014 में भाजपा सांसद चुने गए अश्विनी कुमार अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन पंजाब केसरी के माध्यम से की गई उनकी धारदार पत्रकारिता लोगों के जेहन में है। इकोनॉमिक टाइम्स में रहे देवेश कुमार बिहार में भाजपा से विधान परिषद में है और प्रदेश महामंत्री भी हैं। हरियाणा सरकार में वित्त मंत्री रहे कैप्टन अभिमन्यु भी दैनिक हरिभूमि के संपादक, प्रकाशक रहे हैं। उर्दू के पत्रकार शाहिद सिद्दीकी (नई दुनिया) सपा से, तो मीम अफजल (अखबार-ए-नौ) कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। आंध्र प्रदेश से वार्ता के संपादक गिरीश सांघी कांग्रेस से राज्यसभा हो आए। पत्रकारिता से जुड़े रहे तेलंगाना के के. केशवराव कांग्रेस और टीआरएस दोनों दलों से राज्यसभा जा चुके हैं। कोलकाता के पत्रकार अहमद सईद मलीहाबादी भी राज्यसभा पहुंचे। जनता दल यूनाइटेड से एजाज अली भी राज्यसभा (2008 से 2010) में रहे। कुछ राजनीति की देहरी से भी लौट आए, जैसे वरिष्ठ पत्रकार उदयन शर्मा (कांग्रेस) और सीमा मुस्तफा जनता दल के टिकट पर लोकसभा नहीं पहुंच सके।

राजनीति के मंच पर ऐसे अनेक सितारे चमके और अपनी जगह बनाई। तमाम ऐसे भी थे, जो पार्टी के प्रवक्ता या बौद्धिक कामों से जुड़े रहे। तमाम अज्ञात ही रह गये। राजनीति वैसे भी एक कठिन खेल है, संभावनाओं से भरा भी। किंतु सबको इसका फल मिले यह जरूरी नहीं। बावजूद इसके इसका आकर्षण कम नहीं हो रहा। वरिष्ठ पत्रकार प्रभाष जोशी कहते थे, पत्रकार की पोलिटिकल लाइन तो ठीक है, पर पार्टी लाइन नहीं होनी चाहिए। किंतु यह लक्ष्मण रेखा भी टूट रही है। क्यों इस पर सोचिए जरूर।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-58)

गतांक से आगे...

मन से विचार करो कि मैं इन पदार्थों का नहीं हूँ और ये पदार्थ मेरे नहीं हैं, इस प्रकार की दृढ़ भावना करो। स्थिर शान्त चित्त से चिन्तन करते हुए विचारपूर्वक अपने कार्यों को सामान्य ढंग से सम्पन्न करते हुए जो वासना का त्याग किया जाता है, हे ब्रह्मन्! वही वास्तविक ध्येय कहा गया है।

जो पुरुष समत्व बुद्धि के द्वारा सदैव के लिए वासना का परित्याग करके ममतारहित हो जाता है, उसी से शरीर के बन्धनों का भी त्याग किया जा सकता है। इस कारण वासना का त्याग ही परम कर्तव्य है। जो मनुष्य अहंकार से युक्त वासना को सहजतापूर्वक त्याग करके, ध्येय वस्तु का सम्यक् रूपेण परित्याग करके प्रतिष्ठित होता है, वही पुरुष जीवन्मुक्त कहलाता है।

जो मनुष्य संकल्परूप वासना को मूलसहित छोड़कर परमशक्ति को प्राप्त होता है, उसी का वह श्रेष्ठ त्याग समझने योग्य है। उसी को मुक्त हुआ तथा ब्रह्मवेत्ताओं में अनुपम जानो।

ये दोनों ही ब्रह्मतत्त्व को प्राप्त करते हैं, ये ही दोनों-सांसारिक ताप से मुक्त हैं। हे मुने! शम-दम से युक्त संन्यासी एवं योगी किसी भी काल में आ पड़ने वाले सुखों व दु:खों से युक्त नहीं होते। जिसके अन्त:करण में इच्छा एवं अनिच्छा दोनों ही समाप्त हो गई है और जो सुषुप्तावस्था का आचरण करता है, वही पुरुष जीवन्मुक्त कहलाता है; जो वासनाओं से रहित है, वह हर्ष, अमर्ष, भय, क्रोध, काम एवं कार्पण्य की दृष्टि से न तो आनन्दित होता है और न ही दु:खी होता है।

जो तृष्णा बाहर के विषयों की वासना से प्रकट होती है, वह बन्धन डालने वाली कही गयी है। जो तृष्णा सभी तरह के विषयों की वासना से रहित होती है, वह मोक्ष प्रदाता होती है।

क्रमश: ...

श्रीराम नवमी

प्रवीण कुमार

हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को राम नवमी मनाई जाती है। तदनुसार, साल 2024 में 17 अप्रैल को राम नवमी है। शास्त्रों में निहित है कि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का अवतरण हुआ था। अत: इस दिन रामनवमी मनाई जाती है। इस तिथि पर जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की नौवीं शक्ति मां सिद्धिदात्री की भी पूजा की जाती है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म मध्याह्न काल में हुआ था। अत: राम नवमी तिथि पर दोपहर के समय भगवान श्री राम की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान श्री राम की पूजा करने से व्यक्ति विशेष के जीवन में व्याप्त दुख और संकट हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। साथ ही प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आइए, राम नवमी की पूजा-विधि और शुभ मुहूर्त जानते हैं-

शुभ मुहूर्त- पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 01 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 17 अप्रैल को दोपहर 03 बजकर 14 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान्य है। अत: 17 अप्रैल को राम नवमी मनाई जाएगी।

पूजा समय- ज्योतिषियों की मानें तो राम नवमी तिथि पर सुबह 11 बजकर 03 मिनट से लेकर दोपहर 01 बजकर 38 मिनट तक पूजा का शुभ समय है। वहीं, दोपहर 12 बजकर 21 मिनट पर मध्याह्न का समय है। आसान शब्दों में कहें तो दोपहर 12 बजकर 21 मिनट भगवान श्रीराम का जन्म समय है। अत: साधक इस समय में भगवान श्रीराम की पूजा उपासना कर सकते हैं।

पूजा विधि- चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सबसे पहले भगवान श्रीराम और माता जानकी को प्रणाम कर दिन की शुरुआत करें। घर की साफ सफाई करें। घर के मुख्य द्वार पर आम के पत्ते का तोरण लगाएं। साथ ही रंगोली बनाएं। इस दिन ध्वजा लगाया जाता है। अत: पूजा हेतु सारी तैयारी कर लें। इसके पश्चात, मध्यान पूर्व गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इस समय अंजलि में जल लेकर आचमन करें और व्रत संकल्प लें। रामनवमी तिथि पर पीले रंग का नवीन वस्त्र धारण करें।

इसके बाद भगवान भास्कर को जल का अर्घ्य दें। तदोपरांत, पूजा गृह में चौकी पर लाल रंग या पीले रंग का वस्त्र बिछाकर राम परिवार की प्रतिमा स्थापित करें। अब सबसे पहले आवाहन मंत्र का उच्चारण कर भगवान का ध्यान करें। पंचोपचार कर विधि-विधान से भगवान श्रीराम और माता जानकी, लक्ष्मण जी संग हनुमान जी की पूजा अर्चना करें। पूजा के समय राम चालीसा और राम स्त्रोत का पाठ करें। अंत में आरती कर भगवान श्रीराम से सुख-समृद्धि और धन में वृद्धि हेतु कामना करें। पूजा पाठ कर आरती कर फलाहार करें।

क्षेत्रीय युद्ध के मुहाने पर पश्चिम एशिया

डॉ. राजन

ईरान और इस्राइल के बीच तनातनी और हिंसक कार्रवाइयों का इतिहास पुराना है, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब ईरान ने अपनी धरती से इस्राइल पर सीधे हमले किये हैं। इससे पहले के हमले ईरान अपने समर्थक समूहों, जैसे- हमास, हिज्बुल्लाह, अंसारअल्लाह, पॉपुलर मोबिलाइजेशन आदि के जरिये कराता रहा है। अब तक वह सीधे इस्राइल से लड़ाई से बचता रहा है। सीरिया में उसके दूतावास पर हुए हमले की जवाबी कार्रवाई में किये गये इन हमलों से यह संकेत मिलता है कि ईरान अपनी पुरानी रणनीति में बदलाव कर रहा है। ईरान ने दूतावास हमले को अपनी संप्रभुता पर हमला बताया है। ईरान ने इन हमलों को सीमित हमला कहा है, जिसके कुछ निशाने तय थे। हमलों के बाद उसने यह भी कहा है कि उसका जवाब पूरा हो गया और वह आगे हमले नहीं करेगा। साथ ही, उसने यह भी चेतावनी दी है कि अगर इस्राइल ने फिर हमला किया, तो वह ज्यादा ताकत के साथ जवाब देगा। मेरी राय में ये हमले सांकेतिक थे और इनकी पूरी तैयारी की गयी थी। इस कार्रवाई के बारे में पश्चिमी देशों को बता भी दिया गया था। इसी कारण अमेरिका और भारत समेत विभिन्न देशों ने अपने नागरिकों को निकल जाने को कहा था तथा हवाई सेवाओं को भी रोक दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि ईरानी शासन पर उनके अपने लोगों का भी दबाव बहुत था। अगर ऐसी कार्रवाई नहीं होती, तो शासन के प्रति लोगों के भरोसे में कमी आना स्वाभाविक था। इसलिए ये हमले हुए। और, हमले भी ऐसे थे, जिनसे इस्राइल अपना बचाव कर सकता था। एक तो पूर्व सूचना थी, सो तैयारी के लिए समय मिल गया। दूसरी बात यह है कि ईरान से ड्रोन, मिसाइल आदि इस्राइल पहुंचने में जो वक्त लगा, उससे भी बचाव में मदद मिली। इसके साथ-साथ जॉर्डन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि कुछ देशों ने भी अपने स्तर से सहयोग किया। ईरान को यह भी पता था कि इस्राइल के पास मिसाइल डिफेंस क्षमता है। अगर ईरान चाहता, तो वह लेबनान स्थित हिज्बुल्लाह के जरिये भी सैकड़ों मिसाइलों से हमला करा सकता था। हिज्बुल्लाह के पास ऐसे हथियारों का बड़ा जखीरा है। उससे इस्राइल को भारी नुकसान हो सकता था। ईरान यमन और इराक में अपने समर्थकों के साथ एक-साथ हमले भी कर सकता था। या वह बैलेस्टिक मिसाइलों या बड़े पैमाने पर बमबारी वाले हथियारों का इस्तेमाल कर सकता था। कुछ जानकार यह भी कह रहे हैं कि ईरान ने पश्चिमी देशों को बता भी दिया था। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना के प्रमुख ने बचाव की तैयारियों का जायजा लेने के कुछ दिन पहले इस्राइल की यात्रा भी की थी।

अब देखना यह है कि इस्राइल की ओर से क्या प्रतिक्रिया होती है। अगर दोनों तरफ से हमलों का सिलसिला इसी तरह जारी रहा, तो निश्चित रूप से पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय युद्ध की स्थिति पैदा हो जायेगी। इस्राइल की कोशिश है कि इस क्षेत्रीय तनाव में अमेरिका पूरी तरह शामिल हो जाए। अगर लड़ाई आगे बढ़ती है, तो अमेरिका को इसमें आना ही होगा और यही इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू चाहते हैं। अमेरिका ने कहा है कि अगर इस्राइल द्वारा ईरान पर हमला किया जाता है, तो वह उसमें शामिल नहीं होगा। वह केवल इस्राइल के बचाव में मददगार होगा। लेकिन हमले और बचाव को लेकर इस तरह की नीति बहुत भ्रामक होती है। जब हमले और जवाबी हमले का सिलसिला शुरू हो जायेगा, तो यह तय कर पाना मुश्किल होगा कि क्या हमला है और क्या बचाव है। लेकिन अमेरिका की अभी यही रणनीति है कि वह इस्राइल को रोके। इसका कारण यह है कि पहले ही अफगानिस्तान को लेकर राष्ट्रपति बाइडेन की बहुत आलोचना हो चुकी है। गाजा में पिछले कई महीने से जो भयावह स्थिति है, उसे लेकर भी उनकी आलोचना हो रही है। यूक्रेन युद्ध में अमेरिकी रवैये को उनके देश में बहुत समर्थन नहीं मिल रहा है। उनसे विरोधी रिपब्लिकन पार्टी के ही नहीं, बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी के भी बहुत से नेता एवं समर्थक नाराज हैं। पश्चिम एशिया में नया युद्ध चुनाव में बाइडेन के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है।

ईरान और इस्राइल सैन्य शक्ति संपन्न राष्ट्र हैं। ईरान के पास अपनी क्षमता के साथ-साथ विभिन्न देशों में लड़ाकों का समूह है। इस्राइल के साथ अमेरिका और पश्चिम के देश हैं। इस बार की तरह अरब के देश भी उसे सहयोग कर सकते हैं, पर तब अरब के शासकों को अपनी जनता के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, युद्ध की स्थिति में फिलिस्तीन का मसला पीछे हो जायेगा और ईरान से लड़ाई या युद्धविराम मुख्य मुद्दा बन जायेगा। बाइडेन चुनाव के समय इस तरह के मामले में उलझना नहीं चाहते। उस जटिल स्थिति से सभी परहेज करना चाहते हैं। अपने राजनीतिक लाभ के लिए केवल नेतन्याहू चाहते हैं कि यह युद्ध बढ़े ताकि उन्हें अधिक समर्थन मिले और उनकी सरकार बची रह सके। यह एक तथ्य है कि ईरान को हरा पाना संभव नहीं होगा। तो, युद्ध बहुत लंबा खींच सकता है। उस स्थिति में पश्चिम एशिया में जो तबाही होगी, वह तो होगी ही, वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी उसके असर को भुगतना होगा। बीते दिनों तेल के दाम बढ़े हैं। युद्ध की स्थिति में लाल सागर, फारस की खाड़ी, स्वेज नहर आदि तमाम महत्वपूर्ण रास्ते बाधित होंगे। तब केवल तेल ही नहीं, सभी तरह की चीजों के दाम बेतहाशा बढ़ेंगे।

भारत और ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों ने सभी पक्षों को संयम से काम लेने का अनुरोध किया है। ईरान भी ब्रिक्स समूह का सदस्य है। हालांकि भारत के संबंध ईरान और इस्राइल दोनों से अच्छे हैं, पर इन पर शांति के लिए दबाव बनाना आसान नहीं है। यही स्थिति चीन के साथ है। पश्चिम एशिया में बड़ी अशांति चीन के आयात और निर्यात पर बड़ी चोट कर सकती है। युद्ध की स्थिति रूस के लिए कुछ फायदेमंद हो सकती है क्योंकि दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हट जायेगा और तेल व गैस की कीमतें बढ़ेंगी। अमेरिका और पश्चिम के देश यूक्रेन को पर्याप्त मात्रा में हथियारों की आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। उनके यहां उत्पादन भी धीमी गति से चल रहा है। ऐसे में पश्चिम एशिया में हथियारों की खपत करना पश्चिम के लिए बहुत घाटे का सौदा हो सकता है। पश्चिम एशिया में युद्ध किसी के लिए हितकर नहीं है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसे रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। अभी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी के असर में है। यूक्रेन और अन्य लड़ाइयों ने भी नुकसान किया है। एक और युद्ध भयावह साबित होगा।

आज का इतिहास

1875 सर नेविले चैंबरलिन ने स्नूकर का अविष्कार किया।
1876 फ्रेंड्स अकादमी की स्थापना गइडन फ्रॉस्ट द्वारा लोकस्ट वैली न्यूयॉर्क में हुई।
1895 जापान और चीन के बीच शिमोनोसेकी का समझौता हुआ।
1907 ब्राजील एक खूंखार युद्धपोत पर निर्माण शुरू करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया, जिसने एक बहुत ही महंगी दक्षिण अमेरिकी नौसैनिक हथियारों की दौड़ को जन्म दिया।
1912 रूसी साम्राज्य की सेना के सैनिकों ने लीना नदी के पास पूर्वोत्तर साइबेरिया में हड़ताली स्वर्णकारों पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 150 लोगों की मौत हो गई।
1941 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूगोस्लाविया ने जर्मनी के समक्ष आत्मसमर्पण किया।
1942 द्वितीय विश्व युद्ध-बंद फ्रांसीसी जनरल हेनरी जिराउड कोनिस्टीन कैसल में जर्मन कैद से भाग गया।
1946 सीरिया ने फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल की।
1946 फ्रांस के शासन से सीरिया को स्वतंत्रता दी गई थी।
1951 पीक जिले को यूनाइटेड किंगडम में पहला राष्ट्रीय उद्यान नामित किया गया था।
1961 क्यूबा द्वारा निर्वासित कास्त्रो को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से सीआईए द्वारा समर्थित सशस्त्र क्यूबा के निर्वासित क्यूबा, क्यूबा की खाड़ी में घुसपैठ कर रहा था।
1969 सरहान सरहन को यूनाइटेडस्टेट्स के सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या का दोषी ठहराया गया था।
1971 मिस्र, लीबिया और सीरिया ने मिलकर यूनाइटेड अरब स्टेट बनाने के लिए संघ का गठन किया।
1971 पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश का गठन 1971 में हुआ था। इस आंदोलन का नेतृत्व शेख मुजीब उर-रहमान ने किया था।
1973 जॉर्ज लुकास ने द स्टार वार्स नामक एक 13-पृष्ठ फिल्म उपचार लिखना शुरू किया।
1975 पोल पॉट के तहत खमेर रूज ने कम्बोडियन गृहयुद्ध को समाप्त करने, नोम पेन्ह पर कब्जा कर लिया और डेमोक्रेटिक कम्पुचिया की स्थापना की।
1993 अंतरिक्ष यान एसटीएस-56 डिस्कवरी धरती पर वापस लौटा।
1994 लिटिल मोर मैजिक न्यूयॉर्क शहर के बेलास्को थिएटर में बंद था। यह 30 दिनों तक हाउसफुल चला।
1994 गोधूलि न्यूयॉर्क शहर के कॉर्ट थियेटर में जारी किया गया था।

अन्नामलाई की भाजपा को दक्षिण में कमल उगाने की गारंटी?

डॉ. रमेश ठाकुर

दक्षिण राज्यों के चुनावी समर में एक ही नाम चारों ओर गूंज रहा है, वो है अन्नामलाई। वहां की राजनीति में ये एक नया सितारा उभरा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई ने अपने बूते भाजपा के लिए दक्षिणी राज्यों में सियासत की उपजाऊ जमीन तैयार कर दी है। उधर का सियासी भूगोल देखें तो तमिलनाडु उन अनूठे राज्यों में से एक है। जहां, करीब 87 फीसदी से अधिक आबादी हिंदू है। ये उन राज्यों में एक है जहां राष्ट्रीय दलों यानी भाजपा और कांग्रेस की उपस्थिति कोई खास नहीं रही है। हां, बीजेपी कोयंबटूर और कन्याकुमारी में जरूर वोट जुटाती रही है। सन-1998 के कोयंबटूर बम विस्फोट के अलावा तमिलनाडु में धार्मिक दंगे कम हुए हैं।

तमिलनाडु में भाजपा मजबूत नहीं हुई इसका सबसे बड़ा राज्य में नेतृत्व का अभाव रहा, कई बीजेपी नेता विवादास्पद बयान के लिए जाने जाते रहे। पर, पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस धारणा को बदल दिया है और फिर पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई को तमिलनाडु का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद द्रविड़ पार्टी के प्रभुत्व वाले दक्षिणी राज्य में बीजेपी की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अन्नामलाई राज्य में पार्टी के लिए जमीन तैयार करने में काफी हद तक सफल भी हुए हैं। मोदी और अमित शाह लगातार अन्नामलाई के नेतृत्व को अपना समर्थन दे रही हैं। भाजपा ने इसी आधार पर तमिलनाडु में अकेले 23 सीटों पर चुनाव लड़ने का साहस दिखाया है। बीजेपी अपनी योग्यता और जनता में अपील के आधार पर मतदाताओं के विश्वास के लिए जा रही है।

भाजपा को इस समय तमिलनाडु में मछुआरों, महिलाओं या समाज के अन्य वर्गों से वोट मिलने की संभावना है। बीजेपी मतदाताओं के सामने भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति के मुद्दों को लेकर जा रही है। इस समय अन्नामलाई के साथ तमिलनाडु के युवा भी साथ आ रहे हैं और द्रमुक सरकार को उखाड़ फेकने के नारे का खूब समर्थन भी कर रहे हैं। अन्नामलाई ने एन मन, एन मक्कल की जो पदयात्रा पूरे तमिलनाडु की वह भाजपा के समर्थन बढ़ाने में सहायक रही। सात महीने की लंबी यात्रा का समापन स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। अब तमिलनाडु के लोग द्रमुक और अन्नाद्रमुक का विकल्प तलाशने लगे हैं। कोयंबटूर से खुद अन्नामलाई चुनावी मैदान में हैं। अमित शाह का दावा है कि 4 जून को आप तमिलनाडु में सांसदों की बढ़ी हुई संख्या और बढ़ा हुआ वोट शेयर भी देखेंगे।

बहरहाल, कर्नाटक भारत के दक्षिण में स्थित ऐसा राज्य है जहां बीजेपी की बड़ी मौजूदगी है। भाजपा ने पहली बार 2008 में कर्नाटक में अपनी उपस्थिति दर्ज की थी। जिसका मुख्य कारण एच.डी. कुमारस्वामी.की विफलता थी। 2008 में बीजेपी ने 110 सीटें जीतीं। बीजेपी वास्तव में तटीय कर्नाटक क्षेत्र और मुंबई कर्नाटक क्षेत्र में मजबूत है। कर्नाटक में बीजेपी के मजबूत होने का एक और कारण जाति है। कर्नाटक में लिंगायत और ब्राह्मण हमेशा बीजेपी का समर्थन करते हैं जबकि वोक्कालिगा, दलित और अल्पसंख्यक या तो कांग्रेस या जनता दल सेक्युलर को वोट देते हैं। कर्नाटक वास्तव में भाजपा के लिए एक गढ़ है। यह भारत के दक्षिण में एक ऐसा राज्य है जहां बीजेपी अपनी राजनीतिक पैठ बनाने में अकेले सक्षम है।

वहीं, केरल भारत के दक्षिण में एकमात्र राज्य है जहां

करीब 54 फीसदी आबादी हिंदू है। पर, केरल में हिंदू, ईसाई और इस्लाम की समान उपस्थिति है। यह दक्षिण भारत का एकमात्र राज्य है जहां किसी भी एक दल को अकेले राज्य विधानसभा में पूर्ण बहुमत नहीं मिलता। केरल का चुनाव गठबंधन से ही जीता जाता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट है तो कम्युनिस्ट पार्टियों के नेतृत्व वाला लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट। भाजपा केरल में अपनी जगह बनाने में लगी है। बीजेपी के खिलाफ केरल में यह प्रचार किया गया है कि यह हिंदी पार्टी है। स्थानीय स्तर पर भाजपा कैडर धार्मिक उन्मादियों से लड़ रहे हैं। केरल में ईसाई समुदाय तेजी से बीजेपी की ओर आ रहे हैं। केरल का ईसाई समुदाय कैथोलिक और गैर कैथोलिक के बीच विभाजित है। कैथोलिक वेटिकन के साथ पूरी तरह नहीं जुड़े हैं। केरल में मोटे तौर पर 8 प्रमुख ईसाई समुदाय हैं ।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि प्रत्येक ईसाई समुदाय के बीच दूसरे के साथ प्रतिद्वंद्विता है। ऑर्थोडॉक्स और जैकोबाइट के बीच लड़ाई सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँच चुकी है। वहाँ कोई भी एक पार्टी पूरे ईसाइयों का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती और अधिकांश ईसाई ऐतिहासिक रूप से कम्युनिस्ट विरोधी हैं। कैथोलिकों के भीतर कुछ समुदायों ने धीरे-धीरे भाजपा को एक संभावित विकल्प के रूप में तलाशना शुरू कर दिया है। ज़ीरो मलंकरा कैथोलिक, जो मध्य केरल ग केरल और वायनाड के आसपास हैं, मार्थोमा चर्च के कुछ लोग जो अमेरिका और यूरोप में रहने के कारण भारत से बाहर हैं, ये सब अब बीजेपी के साथ दिखने लगे हैं। धीरे धीरे ये समुदाय भाजपा के प्रति सकारात्मक हो रहे हैं और कांग्रेस की विचारधाराओं से दूर होते जा रहे हैं। इन ईसाई समुदाय के बीच बड़े पैमाने पर हृदय परिवर्तन हुआ है। हालांकि चर्च हमेशा राजनीति में भागीदारी से इनकार करता रहा है।

इस्लाम में धर्म परिवर्तन आम संस्कृति नहीं थी और ज्यादातर असाधारण मामलों तक ही सीमित थी। लेकिन 1990 के दशक के बाद से, मुस्लिम इंजीलवाद का उदय हुआ। सऊदी द्वारा ऐसे उद्देश्यों के लिए पेट्रो डॉलर की भारी फंडिंग की गई। इसने बहुत सारे ईसाई मिशनरी आंदोलनों को परेशान कर दिया। इस्लामोफोबिया आम ईसाइयों के दिमाग में घुस गया। लव जिहाद इस बीच लव जिहाद के कई मामले आए और इस विचार ने ईसाई समुदायों के मन में डर बिठा दिया। ईसाई संवेदनाओं की बात करें तो, वे अभी भी अंतर-जातीय विवाह की अनुमति नहीं देते। ईसाई पादरी लव जिहाद के खिलाफ अपने समुदाय के लोगों को आगाह कर रहे हैं और वे केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के करीब आ रहे हैं। बिशप और विकर्स जैसे सैकड़ों वरिष्ठ पादरी भाजपा के साथ जुड़ते जा रहे हैं। ईसाई समुदाय परंपरागत रूप से राजनीतिक शक्ति समीकरणों में एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं। वे लंबे समय तक सत्ता से बाहर रहना बर्दाश्त नहीं कर सकते, इसलिए उनसे तालमेल बिठा रहे हैं जिनके पास शक्ति है। पादरी वर्ग के कई सदस्य सीपीएम से मिले अपमानों को दृढ़ता से याद करते हैं और अपना भविष्य भाजपा के साथ देखते हैं। इस मामले में गृह मंत्री अमित शाह की सक्रियता देखने लायक है, वह लगातार इन पादरियों के साथ बने हुए हैं। उनकी विशेष भूमिका केरल में बीजेपी के लिए वरदान साबित हो सकती है।

भारत के सामने एक नई चुनौती है पश्चिम एशिया का संकट

शोभना जैन

इजराइल और ईरान के बीच चल रही गंभीर सैन्य टकराहट और पश्चिम एशिया के गहराते संकट को और भयावह बनने से रोकने के लिए अरब और खाड़ी देशों के शीर्ष नेतृत्व सहित अमेरिका और पश्चिमी देशों के बीच गहन मंत्रणाओं का दौर चल रहा है। भारत ने भी इस संकट पर गंभीर चिंता जताते हुए सैन्य टकराहट तुरंत रोकने की पुरजोर अपील की है, लेकिन निश्चित तौर पर संकट ने भारत की सफल मानी जाने वाली पश्चिम एशिया नीति के सम्मुख नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इजराइल और ईरान दोनों ही भारत के मित्र और सामरिक साझीदार रहे हैं। दोनों के साथ गहरे आर्थिक रिश्ते हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के भारत पर फौरी तौर पर पड़े असर का अगर जिक्र करें तो ईरान के सुरक्षा बलों ने होरमुज की खाड़ी के निकट गत 13 अप्रैल को एक इजराइली वाणिज्य जल पोत को बंधक बना लिया जिस पर कुल सवार 25 कर्मियों में से 17 भारतीय कर्मी शामिल हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस क्षेत्र की स्थिति पर ईरान और इजराइल के विदेश मंत्रियों से चर्चा के दौरान भारतीय कर्मियों के इस मामले को भी उठाया और बंधकों को फौरन रिहा करने की बात कही। राहत की बात यह है कि ईरान ने इस मामले में भारतीय प्रतिनिधियों से बात करने देने की बात मान ली है। दूसरा है भारत और इजराइल के सरकारी सहयोग से इजराइल भेजे जा रहे भारतीय कामगारों का विवादास्पद मुद्दा। इन कामगारों का पहला जत्था वहां पहुंच चुका है. अब गत सप्ताहांत भारतीयों के लिए इजराइल व ईरान न जाने को लेकर विदेश मंत्रालय की जो एडवाइजरी आई, उससे जान जोखिम में डाल कर इजराइल जाने वाले भारतीयों के जाने पर फिलहाल रोक लग गई है। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद वहां निर्माण क्षेत्र में काम करने वालों की संख्या कम हो गई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इजराइल ने वहां काम कर रहे 80 हजार फिलिस्तीनी लोगों के वहां आने पर प्रतिबंध लगा दिया। अब इस सेक्टर में जान फूंकने के लिए इजराइल को इन कामगारों की जरूरत पड़ रही है। कुल मिला कर कहें तो भारत ने पश्चिम एशिया नीति की चुनौतियों को सदैव ही संतुलन साधते हुए संबंध आगे बढ़ाए हैं। दरअसल इस क्षेत्र के देशों के बीच में न केवल मतैक्य नहीं है अपितु काफी कड़वाहटें हैं। भारत ने सदैव ही क्षेत्र के प्रमुख देशों मिस्र, ईरान, इजराइल, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ संबंधों में संतुलन बनाते हुए उन्हें गति देने की डिप्लोमेसी से काम लिया है। उम्मीद है कि इसी संतुलन से वह इस बार भी इस नई चुनौती से निपट लेगा क्योंकि भारत के लिए इस चुनौती से निपटना उसके राष्ट्रीय हितों, सामरिक साझीदारी, आर्थिक हितों और उस क्षेत्र में काम करने वाले लाखों कामगारों के हितों से भी जुड़ा है।

अरुणाचल में विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रही कांग्रेस

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस और विपक्ष के तमाम नेता दिल्ली में बैठ कर दावे करते हैं कि लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, देश में तानाशाही का माहौल बनाया जा रहा है और विपक्ष को जांच एजेंसियों का डर दिखाया जा रहा है। लेकिन जब आप राज्यों में जाकर देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभा रहा है। इस बात का सबसे सशक्त उदाहरण अरुणाचल प्रदेश है। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ ही हो रहे हैं। राज्य में लोकसभा की दो सीटें हैं जबकि विधानसभा की 60 सीटें हैं। इस चुनाव को लेकर विपक्ष कितना गंभीर है इसका अंदाजा आपको इस बात से ही लग जायेगा कि दस विधानसभा सीटें भाजपा चुनाव से पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है क्योंकि इन दस सीटों पर विपक्ष का कोई भी दल अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा कर सका।

राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। यानि कांग्रेस राज्य की 60 में से सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसका मतलब यह है कि वह यह चुनाव जीतने के लिए या सरकार बनाने के लिए लड़ ही नहीं रही है। सवाल उठता है कि क्या यही है लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका? सवाल उठता है कि जो दल विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहा वह यदि सत्ता में आया तो क्या कर पायेगा? देखा जाये तो विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभाये तो लोकतंत्र को खतरा हो सकता है। इसलिए मतदाताओं को चाहिए कि कांग्रेस को मुख्य विपक्ष की भूमिका से भी कुछ समय के लिए बाहर कर किसी और दल को यह अवसर दें। आप विडंबना देखिये कि अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जिन 19 उम्मीदवारों को उतारा है उसमें से 17 नये चेहरे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस का टिकट लेने के लिए कोई पुराना नेता राजी ही नहीं था इसलिए नये चेहरों को आगे बढ़ाया गया है। संभवत: यही कारण है कि राहुल गांधी ने अरुणाचल प्रदेश में अपनी पार्टी का चुनाव प्रचार नहीं किया जबकि वह अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर इस साल के शुरू में अरुणाचल पहुँचे थे।

चुनावों में जनता से किये जा रहे वादों की बात करें तो कांग्रेस

एक ओर जहां तमाम तरह के न्यायों की गारंटी देने की बात कर रही है वहीं भाजपा ने %विकसित भारत, विकसित अरुणाचल प्रदेश% नामक संकल्प पत्र में तमाम वादे जनता से किये हैं। महिला सशक्तिकरण, राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण, युवाओं के लिए तमाम सहूलियतें, सरकार की जवाबदेही, राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई और कदम उठाने, राज्य की संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ते रहने, किसानों को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने और राज्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने जैसे कई प्रमुख वादे किये गये हैं जोकि जनता को भा रहे हैं।

आप पूरे अरुणाचल प्रदेश में पाएंगे कि कांग्रेस चुनाव प्रचार से पूरी तरह गायब है जबकि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गली-गली घूम रहे हैं। वैसे अरुणाचल प्रदेश की यह बात अच्छी लगी कि यहां राजनीतिक पार्टियां उत्तर भारत की तरह अनाप शनाप खर्चे नहीं करतीं। यहां लगातार बड़ी रैलियां आयोजित करने से बचा जाता है और लाउडस्पीकरों पर दिनभर अपने उम्मीदवार के लिए प्रचार करते चुनावी वाहनों से मचने वाले शोर भी नहीं सुनाई देते। यहां घर-घर संपर्क और सामाजिक रूप से होने वाले जन एकत्रिकरण के दौरान लोगों को अपने वादों और उपलब्धियों से अवगत कराया जाता है।

अरुणाचल प्रदेश में उम्मीदवारों की बात करें तो 50 विधानसभा सीटों के लिए कुल 133 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। पहले विधानसभा चुनावों की मतगणना लोकसभा चुनावों की मतगणना वाले दिन ही कराने का ऐलान किया गया था लेकिन राज्य विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के चलते अब दो जून को ही पता चल जायेगा कि राज्य में किस पार्टी की सरकार बनेगी। हम आपको बता दें कि भाजपा के जिन 10 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की है उनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी शामिल हैं। भाजपा यहां सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है इसलिए सवाल उठता है कि क्या बहुमत मिलने पर पेमा खांडू ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे या राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तरह भाजपा यहां भी किसी नये चेहरे को आगे करेगी?

विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 50 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि विपक्षी कांग्रेस केवल 19 सीटों पर लड़ रही है। इसके अलावा, मेघालय स्थित एनपीपी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि एनसीपी 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा, अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) एक सीट से लड़ रही है। इसके अलावा 14 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। आंकड़ों के मुताबिक कुल 80 उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में आठ महिलाएं हैं- जो राज्य में अब तक के किसी भी विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक संख्या है। भाजपा ने चार महिलाओं को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने तीन महिलाओं को मैदान में उतारा है और एक महिला निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनावी मैदान में है। दूसरी ओर, अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीटों की बात करें तो यहां कुल 14 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। अरुणाचल पश्चिम सीट पर आठ उम्मीदवार और अरुणाचल पूर्व सीट पर छह उम्मीदवार मैदान में हैं। एक साथ होने वाले चुनावों में कुल 8,86,848 लोग मतदान करने के पात्र हैं। राज्य में कुल 2,226 मतदान केंद्र हैं और उनमें से 228 तक ही पैदल पहुंचा जा सकता है। लोंगडिंग विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 2-पुमाओ प्राइमरी स्कूल में मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक 1,462 है, जबकि ह्युलियांग निर्वाचन क्षेत्र के मालोगम गांव में केवल एक मतदाता है। इसके अलावा, तवांग जिले के मुक्तो निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्र संख्या 18-लुगुथांग राज्य का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र है, जो 13,383 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो ऐसा लगता है कि यह शांत प्रदेश इस बात को तय कर चुका है कि राज्य और देश के हित में किस पार्टी की सरकार बनानी है।

मोदी का गरीबी हटाओ बनाम राहुल का गरीबी हटाओ

अजय सेतिया

कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के घोषणा पत्रों को जुमलेबाजी कहा है। राहुल गांधी का यह जुमला बहुत चर्चित हो रहा है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह एक झटके से गरीबी दूर कर देंगे। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के खाते में डायरेक्ट एक लाख रुपया डाल कर एक झटके में गरीबी दूर कर देंगे। उनके खातों में हर महीने साढ़े आठ हजार रुपया खटाखट डालेंगे। भाजपा ने कांग्रेस के गरीब परिवारों को एक एक लाख रूपए देने के चुनावी वायदे को जुमला कहा है, तो कांग्रेस ने भाजपा के संकल्प पत्र में देश भर में बिजली फ्री देने को जुमला और फ्रीबीस (मुफ्त में रेवड़ियां बांटना) कहा है। हालांकि दोनों में कुछ फर्क है, कांग्रेस ने कहा है कि वह सरकारी खजाने से गरीब परिवारों के खाते में हर साल एक लाख रुपया डालेगी।

जबकि भाजपा ने कहा है कि वह हर घर सोलर पैनल योजना शुरू करेगी, सोलर पैनल लगाने के लिए सरकार सब्सिडी देगी, उसके बाद जो बिजली का उत्पादन होगा, वह एक तरह से फ्री होगा। सरकार सरकारी खजाने से पैसा खर्च करके बिजली फ्री नहीं देने वाली। मोदी सरकार के मंत्रियों का कहना है कि एक करोड़ लोगों ने सोलर पैनल के लिए फ़ार्म भर भी दिया है। सरकार का मानना है कि ग्रामीण व्यक्ति अगर खुद पर 26 रूपए खर्च करने की स्थिति में नहीं है, और शहरी व्यक्ति अगर खुद पर 32 रूपए खर्च करने की स्थिति में नहीं है तो वह गरीबी रेखा के नीचे है। नीति आयोग ने राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक एक प्रगति संबंधी समीक्षा 2023 नाम से एक रिपोर्ट जारी की है। जिसमें कहा गया है कि 2015-16 से 2019-21 के दौरान 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से मुक्त हुए।

मोदी सरकार बनने के बाद 2015-16 के आंकड़ों के मुताबिक़ देश की 24.85 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीब थी, जो 2019-21 के आंकड़ों में 14.96 प्रतिशत पर आ गई। 2021 के इन आंकड़ों के अनुसार देश के 26 करोड़ 9। लाख 83 हजार लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे थे। मोदी सरकार के आख़िरी शीत सत्र में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक़ इस समय 21.9 करोड़ लोग

गरीबी रेखा से नीचे है। इसका मतलब है कि पिछले दस सालों में 18.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से मुक्त हुए हैं। मोदी सरकार ने यह काम विभिन्न छोटे छोटे धंधों के लिए बिना गारंटी बैंक लोन की व्यवस्था करवा कर सफलता पूर्वक किया है। ऐसे छोटे छोटे बैंक कर्ज में सरकार ने ब्याज में सब्सिडी जैसी योजनाएं लागू की।

मोदी सरकार ने उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना के जरिए भी लोगों का जीवन स्तर सुधारने की कोशिश की। सैधांतिक सवाल यह है कि लोगों का जीवन स्तर सुधारने और किसी भी नई योजना को जमीन तक पहुँचाने के लिए सब्सिडी दिया जाना ठीक है, या टैक्स से हासिल किए गए पैसे का इस्तेमाल राष्ट्र के विकास में खर्च करने की बजाए अपना वोट बैंक बढाने के लिए सीधे लोगों के खाते में डाल देना चाहिए। इस मामले में न कांग्रेस दूध की धुली है, न भाजपा दूध की धुली है। भले ही भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनाव घोषणा पत्र (जिसे उसने संकल्प पत्र कहा है) में फ्री बिजली का वैसा वायदा नहीं किया, जैसा कांग्रेस कह रही है, लेकिन किसानों के खाते में 2000 रूपए महीना डालने वाली योजना तो मोदी सरकार पहले से चला रही है।

80 करोड़ लोगों को फ्री राशन देने का दावा और अगले पांच साल तक जारी रखने का वादा भी भाजपा कर रही है। इसी तरह गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को हर साल एक लाख रुपया उनके खातों में डालने का वादा कांग्रेस के घोषणा पत्र में भी किया गया है। अगर इस तरह फ्रीबीस से गरीबी दूर की जा सकती है, तो यह फार्मूला कांग्रेस ने मनमोहन सिंह की सरकार के समय क्यों इस्तेमाल नहीं किया।

लेकिन यह वास्तव में ही एक जुमला है। हैरानी है कि कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र बनाने वाले पी. चिदंबरम देश के वित्त मंत्री रहे हैं। क्या उन्होंने चुनाव घोषणा पत्र में यह जुमला लिखने से पहले सरकारी बजट पर गौर नहीं किया। संसद के शीत सत्र में दिए गए आंकड़ों को ही सही मान लें, तो 22 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं, हम छह करोड़ परिवार मान सकते हैं।

छह करोड़ परिवारों को प्रति वर्ष एक लाख रुपया महीना देने से सरकार को प्रति वर्ष 60 खरब (6 ट्रिलियन) रुपए खर्च करने होंगे। केंद्र सरकार का पिछले साल का कुल खर्चा 45,03,097 करोड़ था। तो राहुल गांधी क्या विदेशी मुद्रा भंडार और स्वर्ण भंडार को बेच कर पैसा खर्च करेंगे या दुनिया भर से कर्ज लेकर भारत को एक झटके में कंगाल कर देंगे। शायद कांग्रेस और उसके प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार राहुल गांधी को पता है कि वे सत्ता में आने से रहे, इसलिए रेवड़ियों के जुमले बांटने में क्या जाता है।

राहुल गांधी जिस डायरेक्ट ट्रांसफर की बात कर रहे हैं, शायद वह भूल गए कि गरीब कल्याण की सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे गरीबों के खातों में ट्रांसफर करने का करिश्मा नरेंद्र मोदी सरकार ने ही किया है। उनके पिता राजीव गांधी ने तो 35 साल पहले कहा था कि केंद्र से एक रूपया भेजते हैं, तो नीचे 15 पैसे पहुंचता है। यानी कांग्रेस को 35 साल पहले सरकारी और राजनीतिक भ्रष्टाचार की पक्की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार रोकने की कोई कोशिश नहीं की।

अलबत्ता कांग्रेस की सरकार ने 2008 में जब नरेगा (बाद में मनरेगा) योजना शुरू की, तो उसमें भी कमीशनखोरी और फर्जी इनरोलमेंट शुरू हो गई थी। जब तक नरेंद्र मोदी ने जनधन खाते नहीं खुलवाए और डायरेक्ट बेनिफिट शुरू नहीं किया, तब तक ऊपर से लेकर नीचले स्तर तक भ्रष्टाचार हो रहा था। इसीलिए अमित शाह ने राहुल गांधी की खिल्ली उड़ाते हुए कहा कि यही जुमला उनकी दादी इंदिरा गांधी ने और बाद में उनके पिता राजीव गांधी ने भी बोला था।

जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं

विजय मिश्रा 'अमित'

प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण की बात मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन से ऐसे छनकर बाहर आती है जैसे चांदनी बादलों को चीरती हुई धरा पर आती है। रामायण सहित श्रीराम चरित्र मानस को विविध भाषाओं में लिखते हुए राम भक्त विद्वजनों ने बार बार इस बात को उल्लेखित किया है कि प्रभु श्री राम का जन्म तो राजमहल में हुआ था पर वे राजमहल में रहे ही नहीं। प्रभु श्री राम का अधिकांश जीवन आम जनों और वनवासियों के बीच ही व्यतीत हुआ। उन्होंने आमजनों में शामिल केवट राज को गले लगाया, भीलनी शबरी को नवधा भक्ति का ज्ञान दिया ,माता अहिल्या का उद्धार किया, विभीषण को श्रीलंका का राज्य दिलवाया, सुग्रीव को किष्किंधा का राजपाट दिलवाया,हर अन्यायी का अंत करके न्याय पथ का अनुगामी बनने प्रेरित किया। वनवासी कोल भील, भालू, बंदर,गरुड़ की अद्भुत शक्ति को न केवल उजागर किया अपितु उनकी शक्ति को अपनी शक्ति भी बना लिया। ऐसे सभी पात्रों को

जो की जंगल, पहाड़, नदियों पर ही आश्रित जीवन जीते थे,उन्हें अपना मित्र बनकर युवराज राम ने मित्रता धर्म के महानायक होने का भी दर्जा प्राप्त किया। लंकापति महाबलशाली दशानन जिससे देवता भी घबराते थे। युद्ध में परास्त हो जाते थे। उस महाबली को प्रभु श्री राम ने आम जनों और वनवासियों की ताकत के बलबूते ही पराजित करके संदेश दिया कि अत्याचारी कितना भी पराक्रमी हो उसका अंत सुनिश्चित होता है। उसकी कमजोर कड़ियां,प्रवृतियां ही उसके विनाश का कारण बनती हैं। प्रभु श्री राम के जीवन में यह बात भी उजागर होती है कि उन्होंने मदद मांगने और मदद करने के मामले में स्वयं को सदैव अग्रणी रखा। सदैव परछाई बनकर रहने वाले उनके अनुज लक्ष्मण बात-बात में क्रोधित हो जाते थे, किंतु प्रभु श्री राम ने उनके क्रोध को शांत करते हुए सदैव धीरज और धैर्य और दयालुता का पाठ पढ़ाया। लक्ष्मण के उबलते क्रोध को उबलते दूध में पानी छिड़क कर शांत करने की तरह उपक्रम किया। क्रूर अत्याचारी राक्षसों के प्रति भी उदारता, दयालुता का परिचय देते हुए प्रभु श्री राम ने राक्षसी प्रवृत्ति से बाहर निकाल कर उन्हें सात्विक विचारधारा को अपनाने के लिए प्रेरित किया।यही वजह है रामायण और रामचरितमानस में ऐसे अनेक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है जब राक्षसों ने भी प्रभु श्री राम और उनकी वानर सेना का समर्थन किया यथा समय समुचित मार्ग प्रशस्त किया। प्रभु श्री राम के प्रति समर्पित महाबलियों शक्तिशालियों के बीच नन्ही गिलहरी का भी उल्लेख मिलता है। रामसेतु का जब निर्माण हो रहा था तो नन्ही गिलहरी भी जी जान से उसमें योगदान कर रही थी। जिसे देखकर प्रभु श्री राम ने गिलहरी की पीठ पर उंगलियों को सहलाते हुए आभार व्यक्त किया था। ऐसी मान्यता है की आज भी गिलहरियों की पीठ पर जो रेखाएं दिखाई देती हैं वह प्रभु श्री राम की उंगलियां की सूचक है। प्रभु श्री राम का चरित्र विश्वास दिलाता है कि जो भी अपने हृदय में श्रीराम को रखते हैं तो उनका जीवन सदैव सुखमय होगा। कष्ट आने पर भी उसके निवारण का मार्ग प्रशस्त होगा। जैसे प्रभु श्री राम महल में जन्म लेने के बावजूद आजीवन कष्टों में घिरे रहे,पर टूटे बिना सही पथ पर संघर्ष से जीत प्रभु श्री राम की हुई। तभी तो तुलसीदास जी ने लिखा है तुलसी बिरवा बाग के सिंचे से कुम्हलाए ,राम भरोसे जो रहे पर्वत पर लहराय। प्रभु श्री राम के जीवन में आए उतार चढ़ाव को सुने गुने और मन वचन कर्म से प्रभु श्री राम के चरणों में स्वयं को डाल दें। यही मोक्ष का सच्चा मार्ग होगा, क्योंकि जो राम का नहीं वह किसी काम का नहीं। जय श्री राम।

अच्छी नींद के लिए सोने से पहले पानी मिलाकर इन चीजों का करें सेवन

अच्छी नींद के लिए गुनगुने पानी के साथ कुछ हेल्दी चीजों को मिक्स करके उसका सेवन से काफी लाभ होता है। इसके सेवन से आपका पेट भी काफी हेल्दी रहता है। इससे कोई भी पेट संबंधित समस्या नहीं होती है। ऐसे में आप गुनगुने पानी के साथ कुछ चीजों को फांककर सो सकते हैं।

शरीर के अच्छे स्वस्थ के लिए बेहतर और गहरी नींद होना अवाश्यक है। यह मनसिक स्वस्थ के लिए जरुरी होता है, वहीं शरीर को स्वस्थ रखने में भी प्रभावी होता है। आजकल लोगों को अच्छी नींद नहीं आतूी है। ऐसे में आप गुनगुने पानी के साथ कुछ चीजों को फांककर सो सकते हैं। इससे पेट या फिर शरीर में होने वाली परेशानियों को कम किया जा सकता है, जिससे शरीर को रेलैक्स मिलता है। ऐसे में आपको अच्छी और गहरी नींद आएगी।

गुनगुने पानी के साथ अजवाइन का सेवन करें

अक्सर पेट में गैस और अपच की शिकायत की वजह से अच्छी और गहरी नींद नहीं आती है। ऐसे में आपको रात में सोने से पहले गुनगने पानी के साथ अजवाइन का सेवन करना चाहिए। इससे पेट को ठीक करके आपके नींद को बेहतर करता है। साथ ही गैस और अपच से भी राहत दिला सकता है।

गुनगुने पानी के साथ सौंफ का सेवन करें

रात के समय सोने से पहले 1 चम्मच सौंफ फांक लें। इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होगा। साथ ही आपका गट हेल्थ भी इम्प्रूव होगा, जो आपकी नींद को लाने में प्रभावी हो सकता है। अगर आप अच्छी और गहरी नींद लाना चाहते हैं, तो इसे मिश्रण का सेवन जरूर करें।

गुनगुना पानी और काला नमक के फायदे

अच्छी नींद के लिए गुनगुने पानी के साथ काला नमक खाएं। यह पाचन की गड़बड़ी को ठीक करने के साथ-साथ नींद को भी बेहतर कर सकता है। इससे पेट में होने वाला दर्द भी ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आपकी बॉडी को रिलैक्स करने में प्रभावी होता है।

गुनगुना पानी और सौंठ का पाउडर

रात को सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ 1 चम्मच सौंठ का पाउडर फांक लें। वहीं इससे कब्ज से राहत पाने में मदद मिलती है। साथ ही यह आपकी नींद को बेहतर करने में प्रभावी होता है। इससे शरीर को रिलैक्स मिलता है, जिससे नींद को बेहतर करने में मदद मिलती है।

त्रिफला चूर्ण का सेवन और गुनगुना पानी

अच्छी नींद के लिए गुनगुने पानी के साथ त्रिफला चूर्ण का सेवन करें। त्रिफला चूर्ण में तीन जड़ी-बूटियां मौजूद होती हैं, जो आपके शरीर को विकसित करेगी। यह नींद को बेहतर कर सकता है। साथ ही पाचन के लिए काफी अच्छा हो सकता है। बेहतर नींद के लिए और पाचन गड़बड़ी ठीक हो, तो रात को सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ त्रिफला चूर्ण का सेवन करें।

● दिव्यांशी भदौरिया

गर्मियों में ये 6 जरुरी चींजे आपकी किचन में होना आवश्यक है

चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए लोग घर के अंदर रहना और हाइड्रेटेड रहना जैसे विभिन्न तरीके अपनाते हैं। गर्मियों में इस बात का विशेष ख्याल रखें कि अपनी रसोई में समर के लिए जरूरी चीजें जमा करना, जो आपके शरीर को ठंडा रखें और स्वास्थ्य को बनाए रखें। गर्मियों के मौसम के लिए रसोई की कुछ आवश्यक चीज़ों पर के बारे में आपको बताते हैं। देश में चिलचिलाती धूप के साथ, दिन को व्यतीत करना काफी मुश्किल होता हैं। देश के कुछ हिस्सों में लू चलनी शुरू हो गई है और लोग गर्मी से राहत पाने के लिए चीजों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि देश में अप्रैल से जून तक लू चलेगी। जैसा कि कहा गया है, किचन में गर्मी से राहत देने वाली कुछ आवश्यक वस्तुओं को स्टोर रखना महत्वपूर्ण है।

गर्मियों के आगमन के साथ, लोगों को अपने आहार में बदलाव करना चाहिए और कुछ ऐसा चुनना चाहिए जो गर्मी के महीनों के दौरान स्वास्थ्य संबंधी खतरों को रोक सके। हाइड्रेशन और अन्य संबंधित समस्याओं को रोकने के लिए पर्याप्त तरल पदार्थ और ठंडे खाद्य पदार्थों के साथ-साथ मौसमी फलों और सब्जियों को शामिल करना महत्वपूर्ण है। यदि आप सोच रहे हैं कि आपको अपनी रसोई की पैंट्री में गर्मियों के लिए कौन-सी आवश्यक चीजें रखनी चाहिए, तो यह लेख आपकी मदद के लिए है। इन 6 खाद्य उत्पादों पर एक नज़र डालें जो आपकी पेंट्री में होने चाहिए।

दही

यह हर घर का मुख्य भोजन है और यह अपने ठंडक और प्रोबायोटिक से भरपूर तत्वों के लिए जाना जाता है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। दही में कैल्शियम, विटामिन डी और जीवित जीवाणु संस्कृतियों से समृद्ध है जो पाचन में सहायता करता है, इम्यूनिटी को बढ़ावा देता है और अच्छे आंत स्वास्थ्य को बनाए रखता है। गर्मियों के महीनों के दौरान, लस्सी, छाछ, रायता और अन्य जैसे ठंडे दही आधारित व्यंजनों का आनंद लिया जा सकता है जो गर्मी से तुरंत राहत देते हैं। इसके अलावा, यह हाइड्रेटेड रहने के लिए स्वादिष्ट और पौष्टिक तरीके भी प्रदान करता है।

सत्तू

यह भुने हुए चने से बना एक पारंपरिक आटा है और एक बहुमुखी घटक है जो गर्मियों के दौरान हाइड्रेशन पावरहाउस के रूप में कार्य करता है। यह प्रोटीन, फाइबर और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर है। सत्तू तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है और आपको लंबे समय तक भरा रखता है। सत्तू को ताज़ा पेय जैसे सत्तू शर्बत या सत्तू पराठा जैसे स्वादिष्ट व्यंजन के रूप में शामिल किया जा सकता है। अपने ग्रीष्मकालीन आहार में सत्तू के व्यंजन शामिल करना न केवल पौष्टिक है बल्कि गर्मी से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

मिश्री

मिश्री को रॉक शुगर के रूप में भी जाना जाता है, मिश्री एक प्राकृतिक स्वीटनर है जिसका भारतीय घरों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, खासकर गर्मियों के दौरान। मिश्री कम संसाधित होती है और इसमें सूक्ष्म खनिज होते हैं जो ऊर्जा की धीमी और स्थिर रिहाई प्रदान करते हैं। यह गर्मियों के पेय पदार्थों और मिठाइयों के लिए एकदम उपयुक्त है। आप नींबू पानी या शर्बत जैसे पेय पदार्थों में मिश्री के कुछ टुकड़े मिला सकते हैं जो न केवल उनके स्वाद को बढ़ाते हैं बल्कि ताज़ा मिठास भी प्रदान करते हैं।

पुदीना

पुदीने की पत्तियों की ताजगी भरी सुगंध और ठंडे गुण की वजह से यह समर व्यंजनों के लिए एक बेस्ट सामग्री बनाते हैं। यह एंटीऑक्सिडेंट और मेन्थॉल से भरे हुए हैं जो पाचन समस्याओं को शांत करने, मतली को कम करने और गर्मी से तुरंत राहत प्रदान करने में मदद करते हैं। आप ताज़ा पुदीने की पत्तियों का उपयोग पुदीना नींबू पानी, इन्फ्यूज्ड पानी या पुदीने की चाय जैसे ठंडे पेय पदार्थों में कर सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने की पत्तियों की चटनी भी बना सकते हैं।

कोकम कॉन्सेंट्रेट

कोकम भारत के पश्चिमी घाट का एक फल है। यह अपने तीखे और ठंडे गुणों के लिए जाना जाता है। कोकम कॉन्सन्ट्रेट सूखे कोकम छिलके से बनाया जाता है जो भारत के गर्मियों के महीनों में एक लोकप्रिय सामग्री है। यह एंटीऑक्सिडेंट और हाइड्रोक्सीसिट्रिक एसिड से भरपूर है जो पाचन में सहायता करता है, अम्लता को कम करता है और शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसका उपयोग आमतौर पर कोकम शर्बत जैसे ताज़ा पेय में किया जाता है या तीखे स्वाद के लिए करी या दाल में मिलाया जाता है। कोकम सांद्रण के साथ पानी, चीनी और एक चुटकी नमक मिलाकर एक स्फूर्तिदायक पेय बनाएं जो आपको पूरी गर्मियों में ठंडा रखेगा।

सौंफ

सौंफ के बीज एक ठंडा मसाला है जो विशेष रूप से गर्मियों के दौरान कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। विटामिन, खनिज और आवश्यक तेलों से भरपूर, सौंफ के बीज पाचन में मदद करते हैं, पेट फूलने को कम करते हैं और सांसों को ताज़ा करते हैं। यह अपच को कम करने में मदद करता है और गर्मी से संबंधित परेशानी से राहत देता है। सौंफ के पानी जैसे ठंडे पेय पदार्थ बनाने के लिए सौंफ के बीजों को शामिल करें या उन्हें चाय, सलाद, करी और डेसर्ट में मिलाएं।

विटामिन बी 12 की कमी को पूरा करेंगे ये वेज फूड

हीमोग्लोबिन की कमी के कई कारण हो सकते हैं। जिसमें विटामिन बी12 और आयरन ना मिलना भी हो सकता है। इन पोषक तत्व की कमी से इंसान सूखकर कांटा बन जाता है। इस समस्या से बचने के लिए खानपान सही होना चाहिए। आइए जानते हैं कि कौन-सी चीजें खाने से आयरन और विटामिन बी 12 मिलता है।

शरीर में ताकत के लिए खून का होना भी जरुरी है। कुछ लोगों को आयरन या विटामिन बी 12 कम हो जाता है, जिस वजह से रेड ब्लड सेल्स बनना कम हो जाती है। इस कारण हीमोग्लोबिन नहीं बनता और मांसपेशियों को पोषण नहीं मिलता कमजोर होने के पीछे यह काफी आम समस्या बन चुकी है। आप डॉक्टर के बताए गए कुछ फूड का सेवन जरुर करें।

आयरन कैसे बढ़ाएं?

आयरन की कमी से छुटकारा पाने के लिए रेड मीट और पोल्ट्री जैसे नॉन वेज फूड खाना लाभदायक होता है, जो कि हीम आयरन से भरपूर होते हैं। यह एक प्रकार का आयरन होता है जिससे शरीर आसानी से अवशोषित कर लेता है। आप चाहे तो सीफूड जैसे ट्यूना, सार्डिन और क्लैम्स आदि भी आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ होते हैं। इन्हें आप खाना में शामिल कर सकते है।

विटामिन बी 12 की कमी को पूरा करेंगे ये फूड

वेजीटेरियन और वीगन इस कमी से निपटने के लिए वेजिटेरिन फूड खा सकते हैं जिनमें सब्जियां, दालें, मेवे और फोर्टिफाइड अनाज शामिल हैं। विटामिन सी से भरी चीजे जैसे खट्टे रसीले फलों और टमाटर आदि का आयरन का फूड के साथ सेवनकरने से भी आयरन का अवशोषण बढ़ता है।

विटामिन बी 12 से भरपूर वेज फूड

वेजिटेरियन और वीगन लोगों के लिए न्यूट्रिशनल यीस्ट, फोर्टिफाइड अनाज तथा अन्य फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ भी विटामिन बी 12 प्राप्त होता है। बुजुर्गों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली मांओ, शाकाहारी तथा कुछ खास मेडिकल कंडीशन के मरीज भी इसकी कमी के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को डाइट में बदलाव करने के साथ सप्लीमेंट्स लेने की जरुरत होती है।

दिव्यांशी भदौरिया

हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने से लेकर त्वचा को चमकदार बनाने तक, सेहत को कई लाभ प्रदान करते हैं आलूबुखारे

पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करने से लेकर हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और त्वचा की चमक बढ़ाने तक आलूबुखारे सेहत को कई अनगिनत स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। चलिए गर्म दिनों में आलूबुखारे खाने के फायदों के बारे में जानते हैं।

गर्मियों के महीनों में मीठे-तीखे स्वाद वाले आलूबुखारे का सेवन करना काफी फायदेमंद माना जाता है। ये कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर समेत आवश्यक पोषक तत्व भरे होते हैं, जो गर्मियों में हमारी सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करने से लेकर हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और त्वचा की चमक बढ़ाने तक आलूबुखारे सेहत को कई अनगिनत स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। चलिए गर्म दिनों में आलूबुखारे खाने के फायदों के बारे में जानते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

आलूबुखारे फेनोलिक यौगिकों और विटामिन सी सहित एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव से निपटने और हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार

आलूबुखारे में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर पाए जाते हैं, जो पाचन में सहायता करते हैं। ये कब्ज को रोकते हैं और नियमित मल त्याग को बढ़ावा देते हैं। इतना ही नहीं ये फाइबर स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य

आलूबुखारे में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर और सूजन को कम करते हैं। ये रक्त वाहिका कार्य में सुधार करते है और हृदय स्वास्थ्य में योगदान देते हैं। बता दें, आलूबुखारे के नियमित सेवन से हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है।

हड्डियों का स्वास्थ्य

आलूबुखारे में विटामिन के, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए डाइट में आलूबुखारे को शामिल करें।

रक्त शर्करा नियंत्रण

आलूबुखारे में प्राकृतिक मिठास होती है, लेकिन बावजूद इसके इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ये रक्त शर्करा के स्तर में धीरे-धीरे वृद्धि करते हैं। इसलिए इन्हें डायबिटीज के लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

वजन नियंत्रण- आलूबुखारे में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखता है। इस तरह ये वजन नियंत्रित करने में मदद करता है। जो लोग अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं वो गर्मियों की डाइट में इसे शामिल कर सकते हैं।

त्वचा का स्वास्थ्य

आलूबुखारे में विटामिन सी की मात्रा कोलेजन उत्पादन में योगदान करती है, जो त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करती है और उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकती है। इसके अलावा आलूबुखारे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को मुक्त कणों और यूवी विकिरण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

एकता

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा क्यों भूल गए मोदी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिहार में जनसभा से पहले मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी पर राज्य के लोगों के साथ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया और सवाल किया कि प्रधानमंत्री मोदी विशेष राज्य का दर्जा देने के अपने वादे को क्यों भूल गए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि उनकी सरकार हर साल कोसी नदी में बाढ़ के कारण राज्य में होने वाली तबाही की ओर कब ध्यान देगी। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज प्रधानमंत्री बिहार में हैं। उनसे आज के हमारे सवाल हैं। प्रधानमंत्री ने अपने वादे के अनुसार बिहार को विशेष राज्य का दर्ज़ा क्यों नहीं दिया? कोसी नदी से बाढ़ के रूप में हर साल आने वाली तबाही पर मोदी सरकार कब ध्यान देगी? प्रधानमंत्री ने जिन हवाईअड्डों का वादा किया था, उनका क्या हुआ? उन्होंने कहा, बिहार में लगभग 15 साल सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा सरकार ने राज्य को विशेष राज्य का दर्ज़ा क्यों नहीं दिया?

पीएम मोदी के जंगल राज वाले बयान पर तेजस्वी का पलटवार

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी जंगल राज टिप्पणी के लिए पलटवार किया और सवाल उठाया कि पीएम ने बिहार के लिए क्या किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने आईटी नीति, पर्यटन नीति, खेल नीति बनाई। बिहार में पहली बार 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश का एमओयू साइन हुआ। उन्होंने कहा कि अगर वे (भाजपा) इसे जंगल राज कहते हैं तो मैं इस पर क्या कह सकता हूं? तेजस्वी ने सवाल करते हुए कहा कि हमें गाली देने के बजाय प्रधानमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में बिहार के लिए क्या किया? प्रधानमंत्री ने सिर्फ 4 चीजें बताई हैं- बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और जुमलेबाजी। इससे पहले दिन में, राजद पर तीखा हमला बोलते हुए, पीएम ने बिहार के गया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी भ्रष्टाचार और गुंडा राज का प्रतीक है।

भाजपा ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ अभिजीत को उतारा

नईदिल्ली। भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों की 12वीं सूची जारी कर दी है। इस सूची में महाराष्ट्र के एक, पंजाब के तीन, उत्तर प्रदेश के दो और पश्चिम बंगाल के एक उम्मीदवारों का नाम है। कुल सात उम्मीदवारों के नामों की घोषणा इस सूची में की गई है। बीजेपी की लिस्ट में महाराष्ट्र के सतारा लोकसभा क्षेत्र से छत्रपति उदयनराजे भोंसले को टिकट दिया गया है, जबकि पंजाब के खडूर साहिब से मंजीत सिंह मन्ना को टिकट दिया गया है। पंजाब के ही होशियारपुर लोकसभा क्षेत्र से अनिता सोम प्रकाश को टिकट दिया गया है, बडिंठा से आईएएस परमपाल कौर सिद्धू को टिकट दिया गया है। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से ठाकुर विश्वदीप सिंह और देवरिया से शशांक मणि त्रिपाठी पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनाए गए हैं। पश्चिम बंगाल के डायमंड हॉर्बर से अभिजीत दास बॉबी को बीजेपी ने टिकट दिया है। अभिजीत दास अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

सपा प्रत्याशी डिंपल ने मैनपुरी से नामांकन दाखिल किया

मैनपुरी। अप्रैल समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी और वर्तमान सांसद डिंपल यादव ने मंगलवार को मैनपुरी लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। डिंपल के नामांकन के समय समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव और शिवपाल यादव मौजूद थे। मैनपुरी में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा। मैनपुरी सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जयवीर सिंह और बसपा के शिव प्रसाद यादव मैदान में हैं। सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं।

बहुजन समाज पार्टी ने 11 उम्मीदवारों की सूची जारी की

लखनऊ। मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी ने मंगलवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में 11 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। मायावती ने जेल में बंद गैंगस्टर से नेता बने धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह को जौनपुर सीट से टिकट दिया। मायावती ने वाराणसी सीट से अतहर जमाल लारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ खड़ा किया। बसपा ने 11 लोकसभा क्षेत्रों - वाराणसी, जौनपुर, बलिया, गाज़ीपुर, बदायूँ, बरेली, सुल्तानपुर, फर्रुखाबाद, बांदा और डुमरियागंज के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। बसपा की सूची में मैनपुरी से शिव प्रसाद यादव (परिवर्तित), बदायूँ से मुस्लिम खान, बरेली से छोटेलाल गंगवार, सुल्तानपुर से उदराज वर्मा, फर्रुखाबाद से क्रांति पांडे, बांदा से मयंक द्विवेदी और डुमरियागंज से ख्वाजा समसुद्दीन को टिकट दिया गया है। इसके अलावा बलिया से लल्लन सिंह यादव, जौनपुर से श्रीकला सिंह (धनंजय सिंह की पत्नी), गाज़ीपुर से उमेश कुमार सिंह और वाराणसी से अतहर जमाल लारी बसपा से चुनावी मैदान में उतरे हैं।

बिहार की बर्बादी की गुनहगार आजेडी, लालू यादव के आरोपों पर बोले प्रधानमंत्री

अफवाहें फैलाकर राजनीति कर रहा विपक्ष : मोदी

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और बिहार अपने प्राचीन गौरव की ओर लौटने के लिए आगे बढ़ रहे हैं और आगामी लोकसभा चुनाव विकसित भारत और विकसित बिहार का संकल्प लेने का चुनाव है। बिहार के गया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोद ने कहा कि गया की धरती पर जो जनसमर्थन उमड़ा है, उससे साफ पता चलता है कि एक बार फिर मोदी सरकार के प्रति उनका उत्साह है।

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी के घोषणापत्र पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह पहली बार है कि किसी पार्टी के संकल्प पत्र को गारंटी कार्ड कहा जा रहा है क्योंकि पिछले 10 वर्षों में लोगों ने मोदी की गारंटी को पूरा होते देखा है। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल के लिए मोदी का गारंटी कार्ड अपडेट कर दिया गया है। गरीबों के लिए तीन करोड़ घर बनाए जाएंगे, गरीबों को अगले पांच साल तक मुफ्त राशन मिलेगा, 70 साल से अधिक उम्र वालों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज मिलेगा, पीएम-किसान सम्मान निधि जारी रहेगी। ये सब मोदी की गारंटी है।

मोदी ने कहा कि ये चुनाव विकसित भारत, विकसित बिहार के उसी संकल्प का चुनाव है। गया की धरती पर उमड़ा ये जनसैलाब, ये अपार जनसमर्थन साफ बता रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने लोगों से कहा कि आपके आशीर्वाद से मुझे सेवा करने का अवसर मिला है। मोदी को देश के संविधान ने ये पद दिया है। डॉ. राजेंद्र बाबू और बाबा साहेब अंबेडकर का दिया हुआ ये संविधान न होता, तो कभी ऐसे पिछड़े परिवार में पैदा हुआ गरीब का बेटा देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था।

उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। हर प्रकार की मत-मान्यता और पथ सम्प्रदाय वाला देश है। ऐसे में देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए, नियमों के अंतर्गत आगे बढाने के लिए एक ही पवित्र व्यवस्था हमारा संविधान है। उन्होने कहा कि संविधान निर्माताओं का सपना था कि भारत समृद्ध बने। लेकिन दशकों तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस ने मौका गंवा दिया, देश का समय गंवा दिया। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ देशवासियों को आपके इस सेवक ने गरीबी से बाहर निकाला है। दशकों तक गरीबों को रोटी, मकान के सपनें दिखाए कांग्रेस और उनके

साथियों ने। लेकिन, 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान दिए एनडीए सरकार ने।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दलित, वंचित और पिछड़ों के नाम पर कांग्रेस और राजद ने सिर्फ अपना राजनीतिक स्वार्थ साधा। दलितों वंचितों और पिछड़ों को अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन एनडीए ने दिया है। उन्होंने कहा कि अब अगले 5 वर्षों के लिए मोदी का गारंटी कार्ड अपडेट हो गया है। गरीबों के लिए 3 करोड़ पक्के घर बनाए जाएंगे, ये मोदी की गारंटी है। गरीबों को अगले 5 साल तक मुफ्त राशन मिलेगा, ये मोदी की गारंटी है। 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा, ये मोदी की गारंटी है। किसान सम्मान निधि आगे भी जारी रहेगी, ये मोदी की गारंटी है।

उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में देश में एक ऐसी क्रांति आई है, जिसकी उतनी चर्चा नहीं होती। ये क्रांति देश के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा की गई है। पिछले 10 साल में 10 करोड़ महिलाएं SHGs से जुड़ी हैं, बिहार में ही सवा करोड़ बहनें इन समूहों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तो महिला स्वयं सहायता समूहों को 150 करोड़ रुपये से भी कम मदद दी जाती थी। एनडीए सरकार के 10 साल में इन्हीं महिला समूहों को 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा दिए गए हैं। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि बिहार के लोग जानते हैं कि ये चुनाव दल का नहीं, देश का चुनाव है। आज एक ओर देश की संस्कृति और गर्व करने वाले हम लोग हैं और दूसरी ओर हमारी आस्था को नीचा दिखाने वाले लोग हैं।

विपक्ष पर वार करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के युवराज तो खुलेआम कहते हैं कि, वो हिन्दू धर्म की शक्ति का विनाश कर देंगे। इनके दूसरे साथी हमारे सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहते हैं। उन्होंने कहा कि घमंडिया अलायंस के पास न कोई विजन है, न कोई विश्वास है। ये लोग जब वोट मांगने जाते हैं, तो भी नीतीश जी के कामों पर वोट मांगते हैं। ये लोग क्यों नीतीश जी और केंद्र सरकार के कामों का क्रेडिट खाते हैं, वो पूरा बिहार जानता है। उन्होंने कहा कि आरजेडी ने भी इतने वर्षों तक बिहार पर राज किया है। लेकिन इनकी हिम्मत नहीं है कि अपनी सरकारों ने क्या काम किए, उसकी चर्चा कर लें। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में जंगलराज का सबसे बड़ा चेहरा राजद है। बिहार में भ्रष्टाचार का दूसरा नाम राजद है। बिहार की बर्बादी की सबसे बड़ी गुनाहगार राजद है। मोदी ने कहा कि आरजेडी ने बिहार को केवल दो ही चीजें दी हैं- जंगलराज, और भ्रष्टाचार! इन्हीं का दौर था, जब बिहार में अपहरण और फिरौती एक उद्योग बन गया था। हमारी बहन-बेटियां घर से बाहर नहीं निकल पाती थी, हमारे गया जैसे इलाके नक्सली हिंसा की आग में जलते रहते थे। आरजेडी ने बिहार के कितने ही परिवारों को बिहार छोड़कर जाने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने कहा कि जो लोग सनातन को गाली देते हैं, वो कान खोलकर सुन लें कि भारत के संविधान को बनाने वाली संविधान सभा में भी 80-90 प्रतिशत लोग सनातनी थे और उन सनातनियों ने इतना उत्तम संविधान बनाने में बाबा साहेब अंबेडकर का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेता अफवाहें फैलाकर देश के संविधान के साथ राजनीति कर रहे हैं।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप

देश के संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रहे भाजपा-आरएसएस

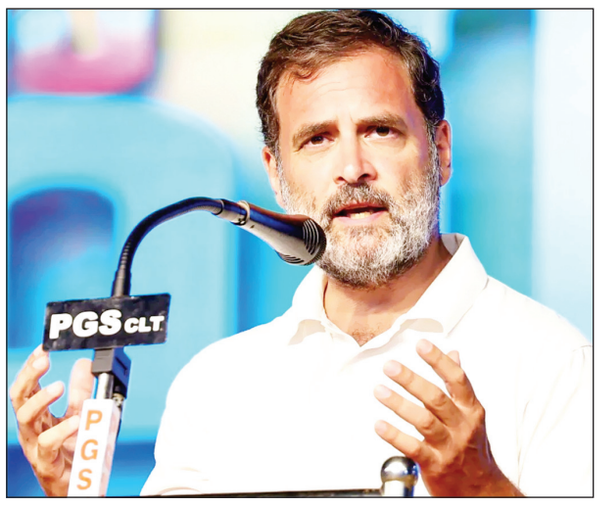

वायनाड। राहुल गांधी ने वायनाड में कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 का एकमात्र बड़ा मुद्दा यह है कि आरएसएस और भाजपा संविधान को खत्म करने के कथित तौर पर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के 5-6 बड़े अमीर उद्योगपतियों के लिए काम करते हैं, उनका काम वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी भारत में किसानों के मुद्दों, बेरोजगारी और महंगाई पर बात नहीं करते। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री बस देश के अमीर लोगों का बचाव और उनके बैंक कर्जों को माफ करते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा है- आरएसएस और भाजपा भारत के संविधान को नष्ट करने और इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यूडीएफ, कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी भारत के पांच या छह सबसे बड़े और सबसे अमीर लोगों के साधन हैं। उनका काम लोगों को देश के वास्तविक मुद्दों, जैसे मुद्रास्फीति और बेरोजगारी से ध्यान भटकाना है। उन्होंने कहा कि इस देश में 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का बैंक कर्ज माफ कर दिया गया। मोदी का एकमात्र काम देश के सबसे अमीर लोगों की रक्षा करना है।

राहुल ने कहा कि मीडिया कभी भी इलेक्टोरल बॉन्ड योजना के बारे में बात नहीं करेगा। अगर वे चुनावी बांड पर कोई लेख लिखेंगे तो ईडी-सीबीआई भी उनके घर पहुंच जायेगी। उन्होंने कहा कि अगर आपने प्रधानमंत्री मोदी का एएनआई के साथ इंटरव्यू देखा है, तो क्या आपने उनकी आंखें देखी हैं? वह ग्रह पर सबसे बड़े भ्रष्टाचार घोटाले का बचाव करने की कोशिश कर रहे थे। चुनावी बांड योजना जिसके माध्यम से भाजपा को जबरन वसूली के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये मिले हैं। चुनावी बांड योजना सबसे बड़ा उगाही रैकेट है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम भारत के सभी गरीब परिवारों की एक सूची बनाने जा रहे हैं। हम इन सभी परिवारों में से एक महिला को चुनने जा रहे हैं। हर साल, भारत सरकार उसके बैंक खाते में 1 लाख रुपये (हर महीने 8,500 रुपये) डालेगी। उन्होंन कहा कि सभी स्नातकों और डिप्लोमा धारकों के लिए इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप का अधिकार कानून। उन्हें अपने चुने हुए क्षेत्र में एक वर्ष के लिए प्रशिक्षण मिलेगा, और प्रति वर्ष 1 लाख रुपये (हर महीने 8,500 रुपये) का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर मोदी भारत के 20-25 सबसे अमीर लोगों को पैसा दे सकते हैं, तो हम भारत के गरीब लोगों को पैसा दे सकते हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स में भिड़ंत आज

नईदिल्ली। निरंतरता हासिल करने की कोशिश में जुटी गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक दूसरे को पराजित करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। पिछले दो चरण की तरह गुजरात टाइटन्स अभी तक एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन नहीं कर सकी है, हालांकि उनके पास अपनी कमियों को पूरा करने का अब भी काफी समय है।

गुजरात टाइटन्स ने तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 10 अप्रैल को अंतिम गेंद में जीत हासिल की थी और अगर उसे अपने अभियान में जान फूंकनी है तो उसे ऐसा ही प्रदर्शन करने की जरूरत है। टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं तो शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के पास चीजों का रूख बदलने के लिए काफी समय है। मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति हालांकि उसके लिए नुकसानदायक रही है लेकिन उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना होगा। उमेश यादव ने अभी तक सात विकेट झटके हैं लेकिन प्रति ओवर 10 से ज्यादा रन लुटाये हैं। उनके नयी गेंद के जोड़ीदार स्पेंसर जॉनसन और अनुभवी मोहित शर्मा भी अपने इकोनोमी रेट में सुधार कर सकते हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की बात की जाये तो टीम फॉर्म और फिटनेस मुद्दों के कारण अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश जुटाने में असफल रही है। पांच मुकाबलों में चार हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स पर मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा। लेकिन अगर उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए खुद को दौड़ में बनाये रखना है तो अपनी कमियों में सुधार करके मुकाबले जीतने होंगे। फिट होकर वापसी करने वाले कुलदीप यादव की मौजूदगी से काफी बड़ा अंतर पड़ा। इस गेंदबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के तीन विकेट लेकर उसकी बल्लेबाजी पर लगाम कसी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 456 अंक टूटा, निफ्टी में भी गिरावट दर्ज

नईदिल्ली। मंगलवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 456 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 124 अंक की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, स्मॉलकैप की मांग थी। एनएसई पर स्मॉलकैप इंडेक्स 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि मिडकैप इंडेक्स कारोबार के उतार-चढ़ाव भरे दिन के बाद 0.1 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 456.10 अंक यानी 0.62 फीसदी की बढ़त के साथ 72,943.68 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 72,685.03 और 73,135.43 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 124.60 अंक यानी 0.56 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,147.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 22,079.45 और 22,213.75 के रेंज में कारोबार हुआ।

स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज ने 1000 करोड़ रुपये जुटाए

नईदिल्ली। ब्रॉडबैंड टेक्नोलॉजी कंपनी स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज ने एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन लाइफ इंडिया, गोल्डमैन सैक्स और बंधन म्यूचुअल फंड सहित पात्र संस्थागत नियोजन को इक्विटी जारी करके 1,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आवंटन के बाद, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी बढ़कर 97.5 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें 48.5 करोड़ इक्विटी शेयर शामिल हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, '' एसटीएल ने पात्र संस्थागत नियोजन के जरिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं।'' एसटीएल के प्रबंध निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा, ''हम अपने निवेशकों का उनके निरंतर समर्थन तथा एसटीएल की विकास क्षमता में विश्वास करने के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था पहली तिमाही में 5.3 प्रतिशत बढ़ी

हांगकांग। चीन की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी। यह विश्लेषकों के करीब 4.8 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। पिछली तिमाही की तुलना में वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत बढ़ी। चीन की अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रभावों से उबरने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। मांग में मंदी और संपत्ति संकट के कारण इसकी वृद्धि प्रभावित हुई है। औद्योगिक उत्पादन पहली तिमाही में सालाना आधार पर 6.1 प्रतिशत अधिक रहा और खुदरा बिक्री 4.7 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी। नीति निर्माताओं ने चीन की अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए कई राजकोषीय और मौद्रिक नीति उपाय किए हैं। चीन ने 2024 के लिए पांच प्रतिशत का महत्वाकांक्षी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि लक्ष्य रखा है।

फ्लिपकार्ट आज से शुरू करेगा सेल

नईदिल्ली। ऑनलाइन बिक्री प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट 17 अप्रैल से 23 अप्रैल तक 'कूलिंग' उपकरणों पर वार्षिक समर बिक्री आयोजित करेगा। इसमें एयर कंडीशनर (एसी), रेफ्रिजरेटर, एयर कूलर, पंखे जैसे घरेलू उपकरण किफायती दामों पर बेचे जाएंगे। फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ई-कोम्मेर्स मंच 'सुपर कूलिंग डेज़ 2024' का छठा एडिशन ला रहा है। इसमें ग्राहकों को गर्मी से राहत देने के लिए घरेलू उपकरणों को किफायती दामों में बेचा जाएगा। बिक्री को बढ़ावा देने के लिए भुगतान के भी विभिन्न विकल्प पेश किए जाएंगे। बयान के अनुसार, बिना किसी शुल्क के ईएमआई, अग्रिम भुगतान, उत्पाद मिलने के बाद भुगतान (कैश ऑन डिलीवरी) और 'फ्लिपकार्ट पे लेटर ईएमआई' आदि विकल्प उपलब्ध होंगे।

भारत की जीडीपी अगले 50 वर्षों में 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर होने की संभावना

प्रह्लाद सबनानी

गोल्डमेन सेच्स नामक अंतरराष्ट्रीय निवेश संस्थान ने अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि आगे आने वाले 50 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 52 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। इस प्रकार भारत इस संदर्भ में अमेरिका को भी पीछे छोड़ते हुए विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा।

वर्तमान में भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक आदि विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने भी आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को 7.2 प्रतिशत रहने की प्रबल संभावनाएं जताईं हैं। जबकि, आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से ब्रिटेन, जर्मनी आदि, आर्थिक संकुचन के दौर से गुजर रहे हैं। रूस यूक्रेन युद्ध के चलते कई विकसित देश तो ऊर्जा की कमी के संकट से जूझ रहे हैं। भारत के विदेशमंत्री, डॉक्टर एस जयशंकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के लगभग समस्त सशक्त देशों के साथ अच्छे सम्बंध बनाने में सफल रहे हैं। आज रूस को भी भारत की आवश्यकता है तो अमेरिका को भी। रूस, भारत को कच्चे तेल एवं सुरक्षा के लिए भारी मात्रा में शस्त्र उपलब्ध कराता है। वर्ष 2022 में भारत ने रूस से 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सामान आयात किया था। वर्ष 2023 में यह बढ़कर 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर होने की प्रबल सम्भावना है। वहीं अमेरिका, भारत को अपना स्ट्रेटेजिक सहयोगी मानता है। आज विश्व की समस्त बड़ी शक्तियां भारत के साथ सौहार्द पूर्ण सम्बंध चाहती हैं। रूस, अमेरिका, यूरोपीयन देश एवं अरब देश भारत के साथ अपने व्यापार को विस्तार देना चाहते

हैं। रूस भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो यूक्रेन भी। उधर इजराईल भी भारत के साथ अच्छे सम्बंध चाहता है तो इरान भी। भारत जी-20 समूह का सदस्य है तो भारत यू2आई2 एवं ब्रिक्स का भी सदस्य है। इस प्रकार कुल मिलाकर भारत का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। आज भारत के पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी फौज है। पश्चिमी बॉर्डर पर चीन से युद्ध की स्थिति में भारत आज इससे निपटने को पूर्णत: तैयार है।

भारत के पास आज युवा जनबल है। भारत की 66 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष की कम आयु की है। 40 प्रतिशत जनसंख्या 13 से 35 वर्ष के बीच में है। भारत के पास 35 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। इसके विपरीत चीन, जापान, इटली, फ्रान्स आदि कई देशों की जनसंख्या अब धीमे धीमे कम हो रही है। इन देशों में आर्थिक गतिविधियों को बनाए रखने के लिए आज युवाओं की सख्त आवश्यकता है जो पूरे विश्व में केवल भारत ही उपलब्ध करा सकता है। वर्ष 2064 तक भारत की जनसंख्या बढ़ती रहेगी, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार वैश्विक स्तर पर भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में अपनी भूमिका लम्बे समय तक निभाता रहेगा।

उक्त संदर्भ में दूसरा सबसे बड़ा कारण बताया गया है, भारत में हाल ही के समय में किया गया डिजिटलीकरण। इससे देश के ग्रामीण इलाकों में भी नागरिकों की दक्षता एवं उत्पादकता बढ़ गई है। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की वित्तीय एवं बैंकिंग संस्थानों द्वारा भरपूर आर्थिक सहायता की जा रही है इससे यह उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं एवं देश में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहे हैं। पूर्व में केवल बड़े उद्योगों को ही बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती रही है परंतु भारत में अब यह ट्रेंड बदला है। कोविड महामारी के बाद से तो इस सम्बंध में बड़ा बदलाव देखने में आया है। डिजिटलीकरण के कारण छोटे छोटे व्यवसाइयों की क्रेडिट हिस्ट्री निर्मित हो रही है जिसके कारण बैंकों को इन छोटे छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में आसानी हो रही है।

क्रमश: ...

जनता की मर्जी ही मोदी की मर्जी हैः मुख्यमंत्री

रायपुर। जनता की मर्जी ही मोदी की मर्जी है। उन्होंने जो संकल्प पत्र बनाया है वो जनता की मर्जी से बना है। मोदी जी ने इसके लिए पूरे देश भर से सुझाव मंगाए, जनता से चिट्ठियां आई, ऑनलाइन संदेश आए और जनता की इसी मर्जी से तैयार हुआ है भाजपा का संकल्प पत्र।

यह कहना है प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का। वे पुलिस ग्राउंड हैलीपैड पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अब बड़े-बड़े नेताओं के घर में बिखराव हो रहा है। कल ही दुर्ग में आयोजित नामांकन रैली में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की भाभी ने भाजपा ज्वाइन किया है। इससे हम कह सकते हैं कि कांग्रेस पार्टी में भगदड़ मची है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का अब कांग्रेस से भरोसा पूरी तरह से उठ चुका है।

वो कुछ भी कर लें जनता विश्वास करने वाली नहीं है। उसकी घोषणाओं का जनता पर कोई असर नहीं होगा। श्री साय ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है तो हमारे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही। चालबाजी में उतर आई है कांग्रेस।

संकल्प पत्र पर भाजपा की प्रेस वार्ता

सुरक्षित, समृद्ध विकसित भारत की गारंटीः साव

दुर्ग/रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र मोदी की गारंटी को विकसित भारत का संकल्प पत्र बताते हुए कहा है 76 पन्नों का यह संकल्प पत्र के देशभर से मिले 15 लाख सुझावों का प्रतिबिम्ब है जिसे 24 समूहों में बाँटा गया है। 10 सोशल ग्रुप में गरीब, युवा, मध्यम वर्ग, मछुआरे, वंचित वर्ग, सीनियर सिटीजन, पिछड़े एवं कमजोर वर्ग शामिल हैं। वहीं, गवर्नेंस को 14 सेक्टर्स में बाँटा गया है। श्री साव ने कहा कि संकल्प पत्र में भारत के अन्य देशों से संबंध, आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा, समृद्ध भारत, ईज ऑफ लिविंग, विरासत का विकास, गुड गवर्नेंस, सुशासन, स्वस्थ भारत, शिक्षा, खेल, सभी सेक्टर्स का विकास, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी और पर्यावरण को रखा है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने मंगलवार को दुर्ग में आहूत पत्रकार वार्ता में कहा कि पूरे देश ने इस बात को माना है कि मोदी की गारंटी, यानी गारंटी के पूरे होने की गारंटी। भाजपा जो कहती है, उसे तो पूरा करती ही है और जो नहीं भी कहती है लेकिन जनता के हित में यदि वे जरूरी होते हैं, तो उसे भी पूरा करके दिखाती है। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पेश किए जाने वाला संकल्प पत्र विकसित भारत की ओर लंबी छलांग लगाने वाला है। आज देश की जनता को विश्वास है कि यदि मोदी की गारंटी है तो यह पूरा होकर रहेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2014 और 2019 में प्राप्त पूर्ण बहुमत को गांव, गरीब, वंचित, दलित, महिला, युवा और किसान को समर्पित किया।

उनके शरीर का कण-कण और जीवन का क्षण-क्षण राष्ट्र का विकास और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि यह संकल्प पत्र विकसित भारत के 4 मज़बूत स्तंभ- युवा शक्ति, नारीशक्ति, किसान और गरीब, सभी को सशक्त करता है। हमारा फोकस डिग्निटी ऑफ लाइफ, क्वालिटी ऑफ लाइफ और निवेश से नौकरी पर है। इस संकल्प पत्र में क्वांटिटी ऑफ अपार्च्युनिटीज और क्वालिटी ऑफ अपार्च्युनिटीज, दोनों पर बहुत जोर दिया गया है। एक तरफ हमने कई सारे इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण से बड़ी संख्या में रोज़गार बनाने की बात की है। दूसरी तरफ़ हम स्टार्टअप और ग्लोबल सेंटर्स को बढ़ावा देकर हाई वैल्यू सर्विसेज़ पर भी ध्यान देने जा रहे हैं। श्री साव ने कहा कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि गरीब के भोजन की थाली पोषणयुक्त हो, उसके मन को संतोष देने वाली हो और अफोर्डेबल हो, सस्ती हो। मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन की योजना आने वाले 5 साल तक जारी रहेगी। अब भाजपा ने यह संकल्प लिया है कि 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। 70 साल के ऊपर के हर बुजुर्ग, चाहे वो गरीब हों, मध्यम वर्ग के हों या फिर उच्च मध्यम वर्ग ही क्यों न हों, उन्हें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। श्री साव ने कहा कि जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। यही सबका साथ, सबका विकास का भाव है और यही भाजपा के संकल्प पत्र की आत्मा भी है। श्री साव ने कहा कि भारत आज वुमैन लेड डेवलपमेंट में दुनिया को दिशा दिखा रहा है। पिछले 10 वर्ष नारी गरिमा, नारी को नए अवसरों को समर्पित रहे हैं। आने वाले 5 वर्ष नारी शक्ति की नई भागीदारी के होंगे। भाजपा का संकल्प, भारत को फूड प्रोसेसिंग हब बनाने का है। इससे वैल्यू एडीशन होगा, किसान का फायदा बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। ये फूड प्रोसेसिंग प्लांट्स, रूरल इकॉनॉमी के नए ग्रोथ इंजन बनेंगे। श्री साव ने कहा कि भाजपा, विकास भी और विरासत भी के मंत्र पर विश्वास करती है। हम पूरी दुनिया में तिरुवल्लूर कल्चरल सेंटर्स का निर्माण करेंगे। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि हमारे देश में टूरिज्म के पोटेंशियल को अनलॉक किया जाना बाकी है। भाजपा द्वारा विश्व प्रवासी- ग्लोबल टूरिस्ट्स को हमारी विरासत से जोड़ा जाएगा और इस विरासत को हम वर्ल्ड हेरिटेज से जोड़ेंगे। 21वीं सदी के भारत की बुनियाद, भाजपा तीन तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही है- पहला सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, दूसरा फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और तीसरा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर। श्री साव ने कहा कि हमारे देश में अर्बनाइजेशन को पहले की सरकारें चुनौती माना करती थीं। भाजपा इसे अवसर के रूप में देखती है। हम देश में नए-नए सैटलाइट टाउन्स बनाएंगे जो देश के विकास का ग्रोथ सेंटर बनेंगे, रोजगार के नए अवसर बनाएंगे। श्री साव ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कानूनों का सख्ती से पालन करेंगे। वन नेशन वन इलेक्शन लागू करेंगे।

कांग्रेसी लबरा हैंः साय

महासमुंद में फिर से भाजपा का सांसद बनाना है

रायपुर/सराईपाली। कांग्रेस लबरा हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में लोक लुभावन वादे कर कांग्रेस ने जनता का खूब वोट बटोरा। लेकिन सरकार में आते ही पूरे पांच साल प्रदेश की जनता को धोखा देने का काम किया। इनको फिर से सबक सिखाना है।

महासमुंद के सराईपाली में आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ये बातें कही। साय ने कहा कि कांग्रेस सरकार में 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। कांग्रेस ने शराब, कोयला, रेत, सरकारी जमीन, डीएमएफ की राशि सब में घोटाला किया। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। महादेव सट्टा एप को संरक्षण देने के लिए उन पर 508 करोड़ रुपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप लगा, जिस पर एफआईआर भी दर्ज हुआ है। जो छत्तीसगढ़ के लिए शर्म की बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है। कांग्रेस को फिर से सबक सिखाना है, खाता खोलने भी नहीं देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी जगह-जगह फार्म भरवा कर जनता को ठग रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो महिलाओं को हर महीने 8 हजार और साल में एक लाख देंगे। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं होने वाला है। श्री साय ने कहा कि प्रदेश की जनता ने पहले ही छत्तीसगढ़ की सत्ता भाजपा को सौंप दी है और केंद्र में कांग्रेस के आने की कोई संभावना ही नहीं है। ये सब जानते हुए भी कांग्रेसी जनता को ठगने का नया पैंतरा ले कर आए हैं, जिसका जनता करारा जवाब देगी। सीएम साय ने कहा कि लोकसभा का चुनाव आया तो कांग्रेसी फिर से जनता को ठग रहे हैं। डबल इंजन की सरकार आदिवासियों का आरक्षण ख़त्म कर देगी ये भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि आरक्षण कभी भी खत्म नहीं होगा। कोई भी ताकत आरक्षण को ख़त्म नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है तो अब वे आरक्षण ख़त्म होने का भ्रम फैला रहे हैं। सीएम साय ने जनता से अपील की कि कांग्रेसियों की बातों में नहीं आना है, उसको सबक सिखाना है और इस चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलने देना है।

श्री साय ने कहा कि भाजपा के सुशासन की सरकार में जनहित का सब काम सांय-सांय हो रहा है। इसलिए कांग्रेस का बाय-बाय हो रहा है, जिसके कारण उनके नेता कुछ भी आंय-बाय बोल रहे हैं। लोकसभा में अपनी हार निश्चित देखकर प्रदेश के कांग्रेसी बौखला गए हैं। कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के खिलाफ लगातार अमर्यादित बयान दे रहे हैं। कोई लाठी से सर फोड़ने की बात कह रहा तो कोई डिफाल्टर बोल रहा है।

रूपकुमारी को की सांसद बनाने का किया आग्रह

श्री साय ने कहा कि रूपकुमारी चौधरी बसना की बेटी है और सराईपाली विधानसभा की बहु है। जो पूरे महासमुंद लोकसभा की बेटी और बहुरिया दोनों बनने जा रही हैं। जिन्होंने महासमुंद जिलाध्यक्ष के रूप में काफी अच्छा काम किया। जो नरेंद्र मोदी जी की प्रत्याशी हैं, इनको जिताने का आशीर्वाद आप सभी से मांगने आया हूँ। जनसभा में लोकसभा प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी, विधायक गण मोतीलाल साहू, सम्पत अग्रवाल, सांसद चुन्नीलाल साहू, भाजपा नेत्री सरला कोसरिया, जगन्नाथ पाणिग्रही, पूर्व विधायक गण त्रिलोचन पटेल, रामलाल चौहान, संतोष उपाध्याय, हरिदास भारद्वाज, भाजपा नेता टीकाराम पटेल सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजपा का संकल्प पत्र युवाओं के लिए आशा और विश्वासः चौधरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र को युवाओं के लिए आशा और विश्वास के नए आलोक में विकास व प्रगति के अवसर देने वाला बताते हुए प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में काफी तेजी से काम हुआ है और इससे देश की युवा प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने तथा सर्वतोमुखी विकास के पर्याप्त अवसर मिले हैं। श्री चौधरी ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम होने से एक ओर जहाँ निवेश की नई संभावनाएँ आकार लेती हैं, उद्योग-कारखानों की स्थापना होती है वहीं निवेश से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। प्रदेश के वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में युवाओं को फोकस करके यह स्पष्ट कर दिया है कि युवा प्रतिभाओं को अवसर देकर विकसित भारत के संकल्प को 2047 तक साकार करने का विजन लेकर भाजपा काम कर रही है। भाजपा ने प्रतियोगी परीक्षाओं के मद्देनजर युवाओं की समस्या को ध्यान में रखकर यह संकल्प व्यक्त किया है कि पेपर लीक पर लगाम लगाने के लिए कानून लाया जाएगा। भाजपा सरकार ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता को रोकने के लिए सख्ती करने का निर्णय लिया है । युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा देंगे। श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं का पारदर्शी आयोजन कर लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों में भर्ती किया है और आगे भी सरकारी भर्तियां समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से करते रहेंगे। भाजपा का यह भी वादा है कि सरकारी परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए इच्छुक प्रदेश सरकारों को भी केंद्र सरकार की ओर से सहयोग दिया जाएगा। प्रदेश के वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि युवाओं की प्रगति तभी सुनिश्चित हो सकती है जब उनके कौशल का उन्नयन करके उन्हें शुरूआत का अनुकूल अवसर

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

भाजपा का 4 करोड़ प्रधानमंत्री आवास बनाने दावा झूठा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा की भाजपा मोदी की फोटो लगाकर पोस्टर और विज्ञापन में 4 करोड़ आवास देने का जो दावा कर रही है वह सरासर झूठा है. केंद्र सरकार के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2 करोड़ 95 लाख के करीब आवास बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। उसमें से 2 करोड़ 94 लाख 68 हजार 272 आवास की स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिसमें से मात्र 2 करोड़ 55 लाख 17 हजार 812 आवास ही पूर्ण हो पाये हैं। आज भी 39 लाख 50 हजार 460 आवास नहीं बन पाए हैं। फिर भाजपा बताएं कि 4 करोड़ आवास मोदी सरकार ने कहां बनाया है? भाजपा के 4 करोड़ मकान बनाने के विज्ञापन से प्रधानमंत्री आवास योजना में भारी गड़बड़ी और घोटाला की आशंका सामने आ रही है? प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश की जनता को 18 लाख आवास बनाकर देने का वादा किया था लेकिन जबकि सच्चाई यह है 18 लाख आवास को मोदी सरकार ने स्वीकृति प्रदान नहीं की। 2011 के जनगणना के अनुसार प्रदेश के 18 लाख से अधिक हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलना था, लेकिन मात्र 11 लाख 76 लाख 142 स्वीकृत किये।

मोदी के कुशासन को बचाये रखने का प्रयास कर रहे हैं भाजपाई

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार के वादाखिलाफी और जनविरोधी नीतियों के कारण अलोकप्रिय हो चुके भाजपाई अब इस लोकसभा चुनाव में केवल दल बदल के आसरे हैं। देश के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार कोई सत्ताधारी दल दूसरे दलों के नेता, कार्यकर्ताओं को दल बदल कराने के लिए पृथक से प्रकोष्ठ बनाकर अपना कुनबा बढ़ाने की जुगत में है। कांग्रेस मुक्त भारत का जुमला देने वालों की अब हालात यह हो गई है की पूरी की पूरी पार्टी कांग्रेस युक्त होने लगी है। संघी और भाजपाई अपने ही दल के भीतर अपने आप को अल्पसंख्यक और असहज महसूस करने लगे हैं। केवल राजनीतिक नेता और कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि अब तो दागी, भ्रष्टाचारी, अपराधी और हिस्ट्रीसीटरो को भी भाजपाई अपने दल में शामिल कर रही हैं। सुचिता और सिद्धांतों का दावा करने वाली भाजपा अब स्वार्थी और दलबदलुओं के सहारे हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि आरएसएस और भाजपा का षड्यंत्र अब उनके नेताओं के जुबान पर आने लगा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय ने हाल ही में कहा है कि हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ''खतरनाक''आदमी हैं, ऐसे खतरनाक आदमी है कि दिन में लोगों को तारे दिखा देते हैं।

न्याय पत्र के कारण प्रदेश की सभी 11 सीटों पर कांग्रेस मजबूत

रायपुर। कांग्रेस के न्याय पत्र जारी होने के बाद प्रदेश की सभी 11 सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों की स्थिति मजबूत हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस के न्याय पत्र में सभी वर्गों के लिये कुछ न कुछ। महिला, युवा, किसान, मजदूर सभी कांग्रेस सरकार बनाने के पक्ष में। लोकसभा चुनाव के लिये कांग्रेस पार्टी देश के लोगो पांच न्याय की गारंटी दी है। कांग्रेस का मानना है देश के महिला युवा, किसान, मजदूर, सभी को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिये उनको कानूनी संरक्षण मिले इसके लिये कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिये किसान न्याय, युवा न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय तथा हिस्सेदारी न्याय देने का वायदा किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि किसान न्याय में कांग्रेस देश के किसानों से वायदा करती है कि किसानों के सुख समृद्धि के लिये 5 गारंटी देती है। एमएसपी को कानूनी दर्ज़ा दिया जाएगा। इसके लिए संसद में एक विशेष कानून पारित किया जाएगा। डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन आयोग के फार्मूले के अनुसार एमएसपी तय की जाएगी। किसानों के ऋण माफ़ करने और आवश्यक ऋण माफ़ी की राशि निर्धारित करने के लिए एक स्थायी कृषि ऋण माफ़ी आयोग की स्थापना की जाएगी।

भाजपा नारी न्याय के महालक्ष्मी योजना से डर गयी

रायपुर। भाजपा कांग्रेस के महालक्ष्मी योजना के बारे में भ्रम फैला रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नारी न्याय के फार्म के बारे में महालक्ष्मी योजना के बारे में भाजपा की झूठी बयानबाजी बता रही है कि इस फार्म के कारण भाजपा डर गयी है। यह महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिये किये जाने वाला वादा है। कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में प्रमुखता से वादा किया है कि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर गरीब महिलाओं को 1 लाख सलाना मिलेगा, अर्थात 8333 रू प्रतिमाह। भाजपा की छत्तीसगढ़ सरकार मात्र 1 हजार रू. महीना देती है। भाजपा को डर है कि महिलाये भाजपा के खिलाफ मतदान करेगी। कांग्रेस पार्टी ने इसको प्रसारित करने के लिये महिलाओं से फार्म भी भरवाया है। कांग्रेस ने न्याय के लिये गारंटी पत्र भी जारी किया और यह कांग्रेस का राजनैतिक कार्यक्रम है, चुनाव में बात पहुंचाने का तरीका है। कांग्रेस अपने पांचों न्याय की गारंटी पत्र भी जनता के बीच लेकर जा रही है। भाजपा जैसे भी भ्रामक प्रचार कर ले, महिलायें फार्म को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित है और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने को आतुर है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को 1 लाख

तेज धूप के बाद रायपुर में बारिश, मौसम रहेगा शुष्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज कब बदल जाए, इसका कोई ठिकाना नहीं है. दरअसल 15 अप्रैल को राजधानी समेत एक-दो अन्य स्थानों पर हल्की बारिश हुई. शहर में कुछ इलाकों में अलग-अलग करीब 20 मिनट तक बारिश हुई. कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी ही हुई. हालांकि मौसम विभाग ने 16 अप्रैल से लेकर आगामी दो दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है. मौसम विभाग ने आज मंगलवार के लिए कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की है. मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि सोमवार को तेज धूप से गर्मी बढ़ी हुई थी, जिसकी वजह से विंड कंजर्वेशन की स्थिति बनी. वातावरण में मौजूद नमी के सहयोग से बादल तैयार हुआ और दोपहर बाद बारिश होने लगी. लगभग घंटेभर तक हल्की से मध्यम वर्षा के रूप में लालपुर में 2.5, माना में 7.6 मिमी. दर्ज की गई है. इसके अलावा राजधानी रायपुर में आज आंशिक तौर पर बादल छाए रहने की संभावना है. वहीं अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेंटीग्रेड के आसपास रहने की संभावना है. इधर 15 अप्रैल को प्रदेश में डोंगरगढ़ सबसे ज्यादा गर्म रहा. मौसम विभाग ने प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान डोंगरगढ़ का 41 डिग्री, सबसे कम न्यूनतम तापमान नारायणपुर का 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है. इसके अलावा माना एयरपोर्ट का अधिकतम तापमान 38.6 बिलासपुर 39.6 पेंड्रा रोड 37.4 अंबिकापुर 36.9 जगदलपुर 38.8 दुर्ग 37.6 और राजनांदगांव का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है.

कलेक्टर ने अनुषा और अभिषेक के घर पहुँचकर दी शुभकामनाएँ

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने सुश्री अनुषा पिल्ले और अभिषेक डांगे को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2024 में चयनित होने पर उनके घर पहुँचकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिले के होनहार अभिषेक डांगे ने यूपीएससी की परीक्षा में हासिल की है सफलता। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने अभिषेक के घर पहुंचकर दी शुभकामनाएं, अपने हाथों से खिलाई मिठाई एवं श्रीफल तथा शॉल देकर दिया शुभकामनाएँ। डॉ. गौरव ने अभिषेक के माता पिता को भी पुष्प गुच्छ भेंटकर बधाई दिया। कलेक्टर कहा कि अभिषेक की सफलता पर पूरे रायपुर एवं छत्तीसगढ़ को गर्व है। उन्होंने अपनी मेहनत व लगन से यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने नालंदा लाइब्रेरी में घंटों अध्ययन कर यह लक्ष्य हंसिल किया। हमने तक्षशिला रीडिंग ज़ोन का निर्माण किया है। ताकि राजधानी में प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल वातावरण निर्मित हों और युवाओं को बेहतर माहौल मिले। हमे आशा है कि भविष्य में अधिक संख्या में युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होकर प्रदेश नाम रोशन करेंगे। ग़ौरतलब है अभिषेक डांगे यूपीएससी की तैयारी नालंदा परिसर लाइब्रेरी में पूर्ण किया। आज मुख्य परीक्षा परिणाम आने पर अभिषेक ने नालंदा परिसर लाइब्रेरी को श्रेय दिया। इस अवसर पर नगर निगम के आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद तथा एडीएम देवेंद्र पटेल उपस्थित थे। इस अवसर पर नगर निगम के आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं जिला पंचायत के सीईओ विश्वदीप एडीएम देवेन्द्र पटेल उपस्थित थे।

बघेल के गृह जिले से हुई महादेव सट्टा एप की उपजः अजय

रायपुर। अमित शाह के दौरे पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने तीन सवाल पूछे थे। मामले में बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि महादेव एप के साथ किसका नाम जुड़ा हम पहले से बोल रहे। ये दिल्ली का विषय नहीं है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के गृह जिले से इसकी उपज हुई अमित शाह का नाम लेना धूर्तता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। कांग्रेस के आरोप महादेव एप को बंद क्यों नहीं करते के सवाल पर विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि बंद होना, नहीं होना, विषय नहीं है। एप बंद हुआ तो किसी और के नाम से चल जायेगा। पूर्ववर्ती सरकार उसमें संलिप्त थी, एजेंसियों की कार्रवाई से ये तय हो चुका है।

वहीं भाजपा 1ह्य कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस में राजनीतिक नेताओं का अभाव है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में समाज के किसी वर्ग को राहत नहीं है। ये 30 लाख नौकरी, 1 लाख रुपए सालाना देने की बात कर रहे हैं। गरीब, किसान, आंतरिक सुरक्षा, बाह्य सुरक्षा, मछुआरे समेत किसी भी वर्ग का जिक्र नहीं है। अजय चंद्राकर ने कहा बीजेपी ने सभी वर्गों का ध्यान रखा है। बीजेपी के घोषणापत्र को आधार मानकर कांग्रेस को अपना घोषणा पत्र वापस लेना चाहिए।

चुनाव अभियान में कांग्रेस के प्रदर्शन पर अजय चंद्राकर ने कहा कांग्रेस सिर्फ बयानों और फोटो में ही नजर आ रही है। लूटे पिटे चेहरों को छत्तीसगढ़ लाकर सभाएं करा रहे हैं। इससे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को कोई लाभ नहीं होगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.